भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

जागरूक जनता

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएँ

16 जुलाई - 22 जुलाई 2025

jagrukjanta.net

श्रावण, पक्ष - कृष्ण, तिथि - षष्ठी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-20, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

समय के साथ-साथ बदलने लगा है शोक अभिव्यक्ति का तरीका!

सटीक

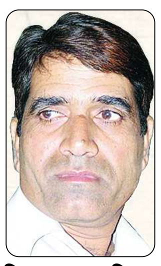

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

अमीरों के संसार में हर कार्य में अपना प्रभाव और हैसियत का दिखावा होता है। मगर, अब गरीब भी इसकी चपेट में आने लगा है। जन्म ले लो, चाहे परण ले लो। इन दोनों में तो माना कि प्रसन्नता का अवसर होता है। इसलिए दिखावा होता है। मगर, मरण में दिखावे की क्या जरूरत है। मृत्यु को तो दुःखद माना जाता है। शोक संदेश प्राप्त होते हैं जिनमें ईश्वर से असीम दुख को सहने करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की जाती है। लोग ढांढ़स बंधाने जाते हैं। अखबारों में शोक संदेश के विज्ञापन छपने लगे हैं। शोक संतप्त परिवार तो सूचना के लिए छपवाता है, मगर रिश्तेदार या बिजनेस पार्टनर भी अपनी तरफ से बड़े-बड़े कलरफुल विज्ञापन छपवा कर शोक प्रकट करते हैं। ये सब क्या है दिखावा ही तो है। यूं तो जब कोई परिवार का सदस्य हमेशा के लिए हमसे दूर चला जाता है तब दुख तो होता ही है। कभी-कभी तो यह दुःख असहनीय होते हुए भी सहना पड़ता है। मगर, आजकल शोक सभाओं के आयोजन में बजाए दुःख प्रकट करने के दिखावा ज्यादा होने लगा है। पुरुष तो मान लो जैसा है उसी स्थिति में शोक सभा में पहुंच जाता है। मगर महिलाएं दिखावा करने के लिए आजकल सज-धज कर जाने लगी हैं। शोक सभा पहले तो घर-आंगन में ही हो जाती थी या यों कहें कि मृत्यु के दिन से 12 दिन पर्यन्त शोक प्रकट करने के लिए सगे-संबंधी या मित्र लोगों का घर पर आना-जाना लगा रहता था। अब समय अभाव के कारण एक ही दिन इस कार्य को निपटा कर अपने काम-धंधे संभालने लग जाते हैं। खैर ये अलग विषय है हम बात कर रहे थे दिखावे की। तो शोक सभा स्थल पर बुजुर्गों के लिए जो जमीन पर आसानी से बैठ नहीं पाते हैं उनके लिए कुर्सियों की व्यवस्था भी की जाती है, मगर उन कुर्सियों पर बजाए बुजुर्गों के चाहे वे महिलाएं हों या पुरुष जवान भी बैठने लगे हैं। मंच से पंडितजी भगवान की कथा सुनाते रहते हैं इसी बीच सभा में आए लोग धीमे-धीमे अन्य चर्चाएं और हंसी-ठिठोली करते रहते हैं। शोक-सभा में आयोजकों की तरफ से पानी आदि की भी व्यवस्था होने लगी है। पानी की व्यवस्था तो श्मशान में दाह-संस्कार के समय भी होने लग गई है। हो सकता है आने वाले समय में वहां चाय-नाश्ता भी पहुंचने लगे। जब श्मशान में चाय-नाश्ता पहुंचने लगेगा तो शोकसभाओं में तो चाय-नाश्ता पहले ही पहुंचेगा। और इसकी शुरुआत जल्दी ही हो जाएगी। ऐसा परिस्थितियों और लोगों के हाव-भाव से दिखने लगा है। जैसे शादी विवाह के लिए बड़े-बड़े हॉल बुक किए जाते हैं वैसे ही अब शोक सभाओं के लिए भी वातानुकूलित हॉल बुक किए जाने लगे हैं। शोक अब शोक नहीं रह गया है। यह अब वैभव दिखाने का माध्यम बनता जा रहा है।

shivdayalmishra@gmail.com

एसीबी का 68वां स्थापना दिवस समारोह

कानून से ऊपर कोई नहीं-मुख्यमंत्री

भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति

भ्रष्टाचार एक बुराई, इसे रोकना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार एक ऐसी बुराई है जो योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने से रोकती है और समाज में असमानता बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान के संकल्प पर मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। पुलिस बिना किसी के दबाव में आए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा उनकी सभी समस्याओं के समाधान के लिए हर समय उपलब्ध हैं।

शर्मा मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के 68वें स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निरंतर अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन आवश्यक है। ऐसे में एसीबी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ने, गबन, आय से अधिक संपत्ति और पद के दुरुपयोग आदि के मामलों को उजागर करने जैसे सभी क्षेत्रों में एसीबी ने अपनी दक्षता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। अपने ही एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार करना यह साबित करता है कि एसीबी जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

चना, मेथी और मूंग उगाया.. धरती पर लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से आज भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला धरती पर आ गए हैं। 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत ISS में 18 दिन बिताने के बाद शुभांशु शुक्ला और उनके तीन अन्य सहयोगी अंतरिक्ष यात्री भी धरती पर वापस आ गए हैं। चारों अंतरिक्ष यात्री सैन डिएगो तट पर पानी में उतरे।

बता दें कि यात्रा पर रवाना होने से पहले एक्सिओम मिशन-4 कई बार स्थगित हुआ था और इसके बाद

एक्सिओम-4 मिशन की अंतरिक्ष यात्रा 25 जून को शुरू हुई जब ड्रैगन अंतरिक्ष कैप्सूल को ले जाने वाला फाल्कन-9 रॉकेट फ्लोरिडा से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की ओर रवाना हुआ था। यह मिशन, भारत, पोलैंड और हंगरी के लिए काफी अहमियत रखने वाला है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर हरे चने, मेथी और मूंग के बीज उगाए हैं। यह एक शोध का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यह देखना था कि माइक्रोग्रैविटी (अंतरिक्ष का गुरुत्वाकर्षण) में पौधों के बीज कैसे अंकुरित और विकसित होते हैं। इस प्रयोग के तहत, यह भी देखा जाएगा कि इन बीजों से उगे पौधों की आनुवंशिकी, सूक्ष्मजीवी पारिस्थितिकी तंत्र और पोषण प्रोफाइल में क्या बदलाव होते हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

UEM श्रद्धावान लभते ज्ञानम्
UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Good Education, Good Jobs

UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
IEM - UEM Group | Jaipur

IEM & UEM Institutions are Founded and Managed by IITians and Majority of Faculty are IITians

Admissions Open 2025-26

600+Patents Published
40+ Design Patents Granted
800+Research Paper Published
₹7 CRORES +WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED

B.TECH
CSE - Artificial Intelligence & Machine Learning (AIML)
Computer Science & Engineering (CSE) with Specialization
◦ Artificial Intelligence & Machine Learning (AIML)
◦ Block Chain Technology
◦ Big Data analytics
◦ Cloud Computing
◦ Cyber Forensic & Internet Security
Electronics & Communication Engineering (ECE)
◦ Artificial Intelligence & Machine Learning
◦ Embedded System ◦ VLSI Design
◦ Internet of Things (IoT) ◦ Robotics
Electrical Engineering (EE)
◦ Electrical & Computer Engineering
◦ Electrical & Electronics Engineering
Mechanical Engineering (ME)
◦ Automobile Engineering
Civil Engineering (CE)
◦ Sustainable Construction Engineering

M.TECH
WITH SPECIALIZATION
Computer Science & Engineering (CSE)
◦ Big Data Analytics
◦ Cloud Computing
◦ Data Science
◦ Information Security
Electrical Engineering (EE)
◦ Power System Engineering
◦ Power Electronics & Drives
◦ Control System Engineering
Electronics & Communication Engineering (ECE)
◦ Communication Engineering
◦ Micro-Electronics & VLSI
◦ Radio Frequency & Microwave Engineering
Mechanical Engineering (ME)
◦ Production Engineering
◦ Thermal Engineering
Civil Engineering (CE)
◦ Structural Engineering

BBA/MBA
Bachelor of Business Administration (BBA)
Master of Business Administration (MBA)
MBA with Dual Specialization
◦ Marketing
◦ Finance
◦ Human Resource
◦ Business Analytics
MBA in Hospital & Healthcare Management
MBA Executive

BPT/MPT
BACHELOR OF PHYSIOTHERAPY (BPT)
MASTER OF PHYSIOTHERAPY (MPT)
◦ Cardiopulmonary ◦ Orthopaedics
◦ Neurology ◦ Musculoskeletal
◦ Pediatrics ◦ Sports

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA

BCA/MCA
Bachelor of Computer Application (BCA)
◦ Data Science
◦ Cloud Computing
◦ Big Data Analytics
◦ Block Chain Technology
◦ Cyber Forensic & Information Technology
◦ Artificial Intelligence & Machine Learning
Master of Computer Application (MCA)

Ph.D
Doctor of Philosophy (Ph.D)
◦ Computer Science & Engineering
◦ Electrical Engineering
◦ Civil Engineering
◦ Electronics & Communication Engineering
◦ Physics / Chemistry / Mathematics
◦ Management
◦ Humanities
◦ English

Academic Partners
Foreign University Collaborations
More than 18000+ Certification

STUDY ABROAD PROGRAM
USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE

PARTICIPATE IN OFFLINE IEMJEE 2025 EXAM TO AVAIL EXCELLENT SCHOLARSHIPS

5 Industry Established Labs
Leading University for 6G Projects, Govt. of India

9887313330, 9887933330
9887413330, 9887433330
Campus: Udaipuria Mod, 6 Kms. from Chomu on Sikar Road, Jaipur - 303807 (Rajasthan)
www.uem.edu.in
FOLLOW US

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

एसीबी के 68वें स्थापना दिवस समारोह में बोले शर्मा, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन में एसीबी की भूमिका अहम

भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति- मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार एक ऐसी बुराई है जो योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने से रोकती है और समाज में असमानता बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान के संकल्प पर मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। पुलिस बिना किसी के दबाव में आए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा उनकी सभी समस्याओं के समाधान के लिए हर समय उपलब्ध हैं।

शर्मा मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के 68वें स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निरंतर अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन आवश्यक है। ऐसे में एसीबी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ने, गबन, आय से अधिक संपत्ति और पद के दुरुपयोग आदि के मामलों को उजागर करने जैसे सभी क्षेत्रों में एसीबी ने अपनी दक्षता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। अपने ही एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार करना यह साबित करता है कि एसीबी जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

कानून व्यवस्था को किया जा रहा और अधिक सुदृढ़

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। हमने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया। पुलिस में 10 हजार पदों पर भर्ती, नए 8 जिलों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालयों की स्वीकृति, 3 महिला पुलिस बटालियनों की स्थापना जैसे निर्णय सरकार द्वारा लिए गए हैं। साथ ही, पुलिस के रेस्पोन्स टाइम को बेहतर करने के लिए 22 इंटरसेप्टर, 750 मोटर साइकिल तथा पुलिस मोबाइल यूनिट को 500 पुलिस मोबाइल यूनिट वाहन उपलब्ध कराकर 500 कालिका पेट्रोलिंग टीम का गठन भी किया है।

पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए उठाए अनेक कदम

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस आधुनिकीकरण व संबंधित आधारभूत संरचना के लिए पुलिस मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का गठन, सरदार पटेल सेंटर फोर साइबर कंट्रोल रूम की स्थापना, पुलिस दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र को राजस्थान पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण अकादमी के रूप में क्रमोन्नत करने जैसे कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में वर्दी भत्ते व मैस भत्ते में बढ़ोतरी, राजस्थान रोडवेज की एक्सप्रेस व सेमी डीलक्स बसों में निशुल्क यात्रा, लांगरी पदों का सृजन तथा उनके मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि जैसे निर्णय लेकर विभाग को सक्षम किया जा रहा है।

भ्रष्टकार्मिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए राज्य सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान हमारी सरकार ने भ्रष्ट कार्मिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत हमने पूर्व अनुमोदन प्रदान करने की प्रक्रिया तेज की है। हाल ही में राज्य सेवा के अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई, अभियोजन स्वीकृति एवं 17-ए के विचाराधीन प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अनाधिकृत अनुपस्थिति के गंभीर मामलों में सेवारत अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त करने जैसे कठोर निर्णय भी लिए गए हैं। भ्रष्ट सरकारी कर्मियों के विरुद्ध एसीबी के प्रकरणों में त्वरित एवं कठोर कार्यवाही के साथ साथ उनकी पेंशन रोकने जैसी विभागीय कार्यवाही भी प्रभावी रूप से की जा रही है। शर्मा ने कहा कि रिश्वत लेना अपराध है और इस अपराध को रोकने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि अगर कहीं भी भ्रष्टाचार होता दिखे, तो बिना किसी डर के सूचित करें। जनता की भागीदारी ही इस लड़ाई को और मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुसार शासन-प्रशासन में पारदर्शिता एवं शुचिता के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने सुशासन स्थापित करने के लिए तकनीक के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया है। ई-फाइलिंग, नियम व प्रक्रियाओं का सरलीकरण, आउटरीच प्रोग्राम जैसे नवाचारों से सिस्टम में जवाबदेहिता को बढ़ावा मिला है। पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने पुलिस को बिना दबाव के कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं, जिससे कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

जागरूक खबरें

मालार्पण में माही संदेश काव्य-कलम 28वें संस्करण का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के सरदार पटेल मार्ग स्थित मालार्पण में माही संदेश काव्य-कलम कार्यक्रम के 28वें संस्करण का आयोजन किया गया। सोमवार शाम हर बार की तरह साहित्य, कला व समाज सेवा को समर्पित रही। साहित्य व कला को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में आमंत्रित शायर, कवि, कवयित्री, वक्ता के रूप में सुशीला शील स्वयंसिद्धा, एस.बी. आहत, संतोष पुरस्वानी संत, डॉ. सौरभ जैन, माला रोहित कृष्ण नंदन, प्रज्ञा ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी। पर्यावरण बचाने के संदेश के साथ धरती को हरी-भरी बनाने के लिए सभी आगंतुकों को पारिजात के पौधे भी भेंट किए गए । माही संदेश के संरक्षक--सलाहकार सुधीर माथुर ने बताया कि माही संदेश काव्य-कलम कार्यक्रम का आयोजन हर माह मालार्पण में किया जाता है, जिसमें साहित्य-समाज व कला जगत की हुनरमंद प्रतिभाएं शिरकत करती हैं। इस अवसर पर प्रो. रश्मि जैन व ऋचा छत्तानी भी मौजूद रहीं।

इन्हें नवाजा गया

कार्यक्रम के दौरान आगन्तुक कवि, कवयित्री को माही संदेश के संरक्षक-सलाहकार सुधीर माथुर, प्रधान संपादक रोहित कृष्ण नंदन ने स्पर्श: सुरक्षित बचपन के लिए एक अभिनव पहल के तहत सुनीता रैवाड़, सुरेश कुमार (स्पर्श वॉलिंटियर), कला के क्षेत्र में नीतू आहूजा, निखिल कुमार व समाज सेवा-शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पंकज जैन संस्थापक, मोनिका सेवकानी, डॉ. पूनम चौधरी, प्रो. अनिता जैन को माही संदेश- प्रेमा माथुर- प्रेरणा पुरस्कार एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए सुशीला शील स्वयंसिद्धा को माही संदेश विंध्य कोकिल भैया लाल व्यास तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित राकेश कुमार लाटा को पं. भूदेव प्रसाद शर्मा स्मृति पुरस्कार-2025 प्रदान किया गया। मंच संचालन का दायित्व कवि सूर्य प्रकाश उपाध्याय ने किया।

जन्मजात टेड़े पैरों की विकृति अब बिना ऑपरेशन हो सकेगी सही

"क्लबफुट" को सही करने की तकनीक "पॉन्सटी" की वर्कशॉप आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एस एम एस चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग के विभागाध्यक्ष वरिष्ठ आचार्य डॉ आर पी आसट ने बताया कि एसएमएस हॉस्पिटल के अस्थि रोग विभाग एवं स्वयं सेवी संस्था "क्योर इंडिया" के संयुक्त तत्वावधान में जन्मजात टेडे पावों की विकृति को बिना ऑपरेशन के ही पॉन्सटी टेक्नीक से प्लास्टर लगा कर उपचार की विधि पर कार्यशाला जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में आयोजित की गई। गर्भावस्था में शिशु की असामान्य स्थिति के कारण, सेरिब्रल पाल्सी, पोलियो के कारण जब बच्चों के पैर टेडे हो जाते हैं तो उन्हें पॉन्सटी तकनीक से प्लास्टर लगा कर बिना चीरा फाड़ी के ठीक किया जा सकता है। एस एम एस हॉस्पिटल के अस्थि रोग विभाग में टेडे पाँव या क्लब फुट के रोगी सम्पूर्ण राष्ट्र में सर्वाधिक संख्या में आते हैं । नेशनल हेल्थ मिशन एवं क्योर इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में क्लब फुट फ्री राजस्थान के अंतर्गत जयपुर में क्लब फुट रोगियो की पंजीकृत संख्या 4060 है जो पूरे भारत में पंजीकृत 18000 में से सर्वाधिक है।

इस प्रशिक्षण कार्य शाला में यह प्रशिक्षण क्योर इंडिया के मेडिकल डायरेक्टर डॉ मैथ्यू वर्गीस, डॉ संतोष , डॉ कुमार शशिकांत एवं विभागाध्यक्ष डॉ आर पी आसट ने ऑर्थोपेडिक्स में पी जी कर रहे विद्यार्थियों को दिया। कार्य शाला में भाग लेने वाले अन्य चिकित्सकों में वरिष्ठ आचार्य डॉ पंकज जैन, वरिष्ठ आचार्य डॉ अनुराग धाकड़, वरिष्ठ आचार्य डॉ देवकांत मीणा प्रमुख हैं। क्योर इंडिया की टेक्निकल सपोर्ट टीम में अल्फ्रेड जैकब, रंजना, पिंकी, कोमल एवं प्रियंका के नाम मुख्य हैं ।

एनआईए को सीकर और फतेहपुर से मिली आयुर्वेद से जुड़ी पांडुलिपि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के आयुर्वेद पाण्डुलिपि विज्ञान विभाग को सीकर जिले के दो प्रतिष्ठित पुस्तकालयों महावीर पुस्तकालय, सीकर एवं श्री सरस्वती पुस्तकालय, फतेहपुर–द्वारा दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ एवं ग्रंथ अध्ययन एवं संरक्षण हेतु प्रदान किए गए हैं।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने दोनों पुस्तकालयों के पदाधिकारियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को आयुर्वेदिक ज्ञान-संपदा के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताया। संस्थान को विश्वास है कि इस प्रकार के संयुक्त प्रयास पारंपरिक भारतीय चिकित्सा साहित्य के संरक्षण और पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. असित कुमार पाञ्जा के अनुसार सभी प्राप्त सामग्री का उपयोग केवल शैक्षणिक शोध एवं संरक्षण कार्यों में किया जाएगा। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संरक्षण प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सभी प्रतियाँ संबंधित पुस्तकालयों को संरक्षित रूप में लौटा दी जाएंगी। यह पांडुलिपि डॉ. विनोद कुमार जैन , अध्यक्ष, माधव सेवा समिति एवं सरस्वती पुस्तकालय प्रशासन के सहयोग से संस्थान को मिली है। महावीर पुस्तकालय से प्राप्त पाण्डुलिपियों में 'रावण महातन्त्र' (सिद्ध नागार्जुन), 'दिनचर्या', 'ज्वर रूप', 'सामुद्रिक शास्त्र' और 'न्याय सिद्धान्त' प्रमुख हैं। वहीं, श्री सरस्वती पुस्तकालय से 'वैद्यक औषध (गुटका)', 'वैद्यक संजीवनम्', 'योग सूत्र वृत्ति मणि प्रभा टीका' सहित 'त्रिदोष विमर्श', 'रसायन सार', 'भेल संहिता' एवं 'हारित संहिता' जैसे मूल्यवान ग्रंथ प्राप्त हुए हैं।

हवामहल विधायक ने की कांवड़ियों की सुरक्षा के संदर्भ में थानाधिकारियों से बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्रावण माह के शुरू होते ही शहर में कावड़ियों की भीड़ बढ़ने लगी है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर से दूर-दराज क्षेत्रों के हजारों युवा गलता धाम से कावड़ में जल लाकर महादेव का अभिषेक करते हैं। हवामहल विधायक- हाथोज धाम महाराज श्रीश्री बालमुकुन्द आचार्य जी ने श्रावण माह में जयपुर शहर से निकलने वाली कावड़ यात्राओं में कांवड़ियों की सुरक्षा के संबंध में पुलिस थाना रामगंज, गलता गेट एवं माणक चौक के थानाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कावड़ मार्ग में यातायात व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग एवं यात्रा के दौरान मीट की दुकानों को बंद करवाने के निर्देश दिए। साथ ही नगर निगम हेरिटेज जयपुर आयुक्त से टेलीफोन पर वार्ता कर कावड़ मार्ग की सफाई, सड़क मरम्मत एवं रोड लाइट्स दुरुस्त करवाने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि गलता धाम से कांवड़ लाने का मुख्य मार्ग रामगंज क्षेत्र से होकर अन्य क्षेत्रों को जाता है। यहां बीते वर्षों में कांवड़ियों पर वस्तुएं फेंकने, गंदा पानी फेकंने जैसी घटनाएं हो चुकी है।

RGHS: निजी अस्पतालों में मिलता रहेगा कैशलेस इलाज, बनी सहमति!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। निजी अस्पतालों में RGHS में कैशलेस इलाज मिलता रहेगा। चिकित्सा विभाग और निजी हॉस्पिटल्स के प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनी है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश पर हुई वार्ता में सहमति बनी। प्रमुख चिकित्सा सचिव गायत्री राठौड़ की मौजूदगी में वार्ता हुई थी। वार्ता सकारात्मक रहने पर PHNHS के सचिव डॉ. राकेश कालरा ने सहमति बनने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2025 के ड्यू पेमेंट 31 जुलाई तक जारी करने', आगे से 60 दिन के भीतर भुगतान करने का आश्वासन सरकार की ओर से दिया गया है। इसके साथ ही TPA का भी दायरा बढ़ाया जाएगा। एक के बजाय चार TPA होंगे। बैठक में बनी सहमति के बाद अब कैशलेस इलाज बंद करने का फैसला वापस लिया गया है। मरीजों को आरजीएचएस के तहत कैशलेस इलाज मिलता रहेगा।

बियानी कॉलेज की छात्राएं साकुरा साइंस एक्सचेंज प्रोग्राम में जाएगी जापान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज की पाँच मेधावी छात्राओं का चयन जापान के प्रतिष्ठित साकुरा साइंस स्पॉन्सर्ड प्रोग्राम के लिए हुआ है। यह एक इंटरनेशनल एक्सपोजर देने वाला स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम है, जो प्रतिभागी विद्यार्थियों को वायु प्रदूषण, प्रयोगात्मक तकनीक, अनुसंधान कार्य, रचनात्मकता और नवाचार से संबंधित कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान करता है। कॉलेज के निदेशक डॉ. संजय बियानी ने छात्राओं को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर न केवल उनके करियर में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का भी मौका देगा।

उन्होंने कहा,"ऐसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम विद्यार्थियों की सोच को व्यापक बनाते हैं, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और वे विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर होते हैं। बियानी संस्थान हमेशा से छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव दिलाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।" कॉलेज की सहायक निदेशक डॉ. राधिका बियानी ने बताया कि बियानी कॉलेज का जापान की कई प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज़ के साथ पिछले कई वर्षों से शैक्षणिक सहयोग बना हुआ है। इस सहयोग के अंतर्गत अब तक लगभग 120 छात्राएं बियानी कॉलेज से जापान के एक्सचेंज प्रोग्राम्स में भाग ले चुकी हैं।

इसी क्रम में जापान के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 90 छात्र-छात्राएं भी बियानी कॉलेज आ चुके हैं, जिन्होंने विभिन्न विषयों पर अपनी प्रेजेंटेशन दी हैं और भारतीय विद्यार्थियों के साथ शैक्षणिक आदान-प्रदान किया है। इस वर्ष प्लेसमेंट हेड डॉ. स्मृति तिवाड़ी के मार्गदर्शन में छात्राएं सवीना, ईशा, अदिति, अर्चना और साक्षी 20 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक जापान में विभिन्न शैक्षणिक और नवाचार आधारित गतिविधियों में भाग लेंगी।

जयपुर @ जागरूक जनता। श्रावण मास का प्रथम सोमवार -मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सपत्नी मुख्यमंत्री आवास पर सहस्त्राभिषेक किया ।

कृषि विपणन विभाग का 'मिशन जीवन सुरक्षा' देगा सामाजिक सम्बल

राजस्थान की मंडियों में श्रमिकों को दिया जा रहा है बीमा सुरक्षा का संपूर्ण कवच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत सरकार द्वारा बैंक खाता धारकों हेतु संचालित प्रधानमंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के अंतर्गत राज्य की समस्त कृषि उपज मंडी समितियों में क्रियाशील हम्माल, पल्लेदार और तुलारों के बैंक खाते खुलवाकर इन योजनाओं में बीमा करवाये जाने के लिए विभाग द्वारा मार्च 2025 से 'मिशन जीवन सुरक्षा' प्रारंभ किया गया।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल के निर्देशन में कृषि विपणन विभाग द्वारा सभी मंडी समितियों में नोडल अधिकारी बनाकर मंडियों में कार्यरत श्रमिकों के बैंक खाते खुलवाकर पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई से शत् प्रतिशत जोड़ने का कार्य किया जा रहा है जिसे विभाग द्वारा लगभग 95 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। इससे मंडियों में कार्यरत हम्माल, पल्लेदार, तुलारों एवं अनेक परिवारों इत्यादि को जीवन बीमा के माध्यम से सामाजिक सम्बल प्राप्त होगा। राज्य की कृषि उपज मंडियों में बैंक खातों से जुड़े क्रियाशील हम्माल व पल्लेदारों का पीएमजेजेबीवाई में 94.76 प्रतिशत एवं पीएमएसबीवाई में 95.34 प्रतिशत बीमा करवाया जा चुका है। मंडी समितियों द्वारा मंडी प्रांगणों में कार्यरत हम्मालों, पल्लेदारों और तुलारों का शत् प्रतिशत बीमा करवाये जाने हेतु विभाग दृढ़ संकलपित होकर कार्य कर रहा है ।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना भारत सरकार द्वारा 18 से 50 वर्ष तक के बैंक खाता धारकों के लिए लागू की गई है, जिसमें खाताधारक की मृत्यु होने पर परिवार को 2 लाख रुपये की बीमा सहायता राशि दी जाती है।

कांग्रेस के पापों को धोने में लग रहा है समय, व्यक्तिगत नहीं, समान अवसर को मिलेगी प्राथमिकता-राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि "कांग्रेस ने जो पाप किए थे, उन पापों को धोने में समय लग रहा है।" गहलोत सरकार ने अनियमित और अव्यवस्थित ढंग से वार्ड और पंचायतों का गठन किया, कोई वार्ड 250 मतदाताओं का तो कोई 8000 मतदाताओं का बना दिया गया। अब भाजपा सरकार इन सभी गलतियों को सुधार कर व्यवस्थापन का कार्य कर रही है, जिससे सभी को समान अवसर मिल सके। किसी के व्यक्तिगत लाभ के लिए वार्ड या पंचायतों का गठन नहीं होना चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस की आलोचनात्मक प्रवृत्ति पर भी प्रहार किया और कहा कि "कांग्रेस को केवल छिद्रान्वेषण और आलोचना की आदत हो गई है। वो हर समय नकारात्मक सोच के साथ रहते हैं। उन्हें अब सकारात्मक पहल करनी चाहिए।" भाजपा की सरकार पंचायत और निकाय चुनावों में पारदर्शिता और समानता सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है। विधानसभा उपचुनाव और निकाय उपचुनावों के परिणामों का हवाला देते हुए मदन राठौड़ ने कहा, "36 में से 29 सीटें भाजपा ने जीती हैं, इसके बावजूद कांग्रेस खुद को विजयी बता रही है तो यह कांग्रेसियों के लिए चिंतन का विषय है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए बताया कि देश के सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को जयपुर के दादिया क्षेत्र में सहकारिता विभाग के सरकारी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से सहकारिता विभाग से जुड़ी जनता पहुंचेगी और भाजपा कार्यकर्ता भी केंद्रीय मंत्री शाह से मार्गदर्शन प्राप्त करेंगें। यह कार्यक्रम सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने और आमजन को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

सहकारिता के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

शोक-संदेश (तीये की बैठक)

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय भ्राता **श्री रामगोपाल शर्मा** s/o भोरी लाल बागड़ा का स्वर्गवास दिनांक 15.7 2025 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक 17.7.2025 को दोपहर 3.00 से 4.00 बजे ग्राम श्रीरामपुरा में रखी गई है। **शोकाकुल-** नाथूलाल शर्मा, जगदीश, सीताराम, कन्हैया लाल, नरेन्द्र, सुरेश, कैलाश (भ्राता) राजू, अमित, लोकेश, रोशन, अशोक,अजय, प्रमोद, रतीश, विष्णु, पवन, नीतेश, अंकित, राधव (पुत्र)- समस्त कण्डिरा परिवार- **मो.नं. 9928811696, 9983200041**

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सिविल लाइंस कार्यालय पर की जनसुनवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाइंस स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई की। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों ने सड़क, नाली, जल निकासी समेत अन्य जनसमस्याओं को लेकर उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की। जनसुनवाई के दौरान उपमुख्यमंत्री ने गंभीरता से सभी शिकायतों को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। बारिश की रिमझिम फुहारों के बीच हो रही इस जनसुनवाई में उपमुख्यमंत्री ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ जनता की बात सुनी और समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर नजर आईं। उन्होंने कहा कि - सरकार आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है और हर स्तर पर उनका समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। इस मौके पर विभागीय अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई

संवेदनशीलता के साथ जन सेवा ही हमारा मूलमंत्र-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ सेवा को अपना मूल मंत्र मानते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है। हमने प्रदेशभर में जनसुनवाई का ऐसा तंत्र सुविकसित किया है जो परिवादों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ ही जरूरतमंद को त्वरित सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराने में बेहद कारगर साबित हो रहा है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं को आत्मीयता के साथ सुना तथा अधिकारियों को उनके संतोषपूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सुराज के संकल्पों को साकार करने की दिशा में आमजन को बुनियादी सुविधाएं नियमित और निर्बाध रूप से उपलब्ध कराए। जनकल्याण ही राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

इंदौर वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल बेस्ट

प्रदेश में अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट मॉडल लगाने के होंगे प्रयास-देवनानी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मध्यप्रदेश यात्रा में इंदौर प्रवास के दौरान नगर निगम इंदौर द्वारा संचालित अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का अवलोकन किया। देवनानी ने इस प्लांट की कार्यप्रणाली और तकनीक की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इंदौर का वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल बेस्ट है। इंदौर नगर निगम एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा कचरा निस्तारण, रिसाइकलिंग प्रक्रियाओं एवं स्वच्छता मॉडल के विभिन्न पहलुओं के बारे में देवनानी को जानकारी दी।

अजमेर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों में इंदौर जैसा प्लांट लगाने के लिए राज्य सरकार से देवनानी करेंगे चर्चा

देवनानी ने कहा कि इंदौर नगर निगम द्वारा विकसित यह वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली देशभर के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह न केवल कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत करती है, बल्कि नगरीय जीवन को स्वस्थ, स्वच्छ और पर्यावरण हितैषी बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। देवनानी ने कहा कि अजमेर नगर निगम सहित राज्य के विभिन्न शहरों में इसी मॉडल पर आधारित अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की स्थापना हेतु प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए श्री देवनानी राज्य सरकार से चर्चा करेंगे ताकि "स्वच्छ राजस्थान" का लक्ष्य प्रभावी रूप से साकार किया जा सके। देवनानी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि नगरीय स्वच्छता में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हुए पर्यावरण के अनुकूल और सतत समाधान अपनाए जाएं। इसके माध्यम से न केवल स्वच्छता, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा। स्वच्छता मिशन की दिशा में कचरे निस्तारण की प्रक्रिया निर्णायक पहल है, जो राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए लाभदायक हो सकती है।

कचरा निस्तारण एक गंभीर समस्या

देवनानी ने कहा कि कचरा निस्तारण एक गंभीर समस्या हैं। कचरे का निस्तारण भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में एक चुनौती बनी हुई है। अत्यधिक कचरा जमा होने से पर्यावरण प्रदूषण और बीमारियां होती है। खासकर प्लास्टिक कचरा वायु, जल और मिट्टी को प्रदूषित करता है। उन्होंने कहा कि कचरा निस्तारण वाकई एक जटिल समस्या है. लेकिन सही प्रयासों और आधुनिकतम तकनीक की विभिन्न पद्धतियों से समस्या का हल संभव है।

जन जागरूकता, सामूहिक भागीदारी और सख्त निगरानी आवश्यक

देवनानी ने कहा कि कचरा निस्तारण की समस्या का समाधान आधुनिकतम तकनीक से होगा लेकिन इसके लिए लोगों की जन-जागरूकता, उनकी सामूहिक भागीदारी के साथ सख्त निगारानी भी आवश्यक है। इससे समस्या कभी विकराल रूप नहीं ले सकेगी। उन्होंने कहा कि इस समस्या के निराकरण के लिए लोगों की इच्छा शक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण पहलू है।

सम्पादकीय

ढांचों का रखरखाव उतना ही महत्वपूर्ण जितना उनका निर्माण

गुजरात में गंभीरा पुल ढहने से होने वाली मौतें भारीभरकम बुनियादी ढांचा बनाने की भारत की योजना के लिए चेतावनी है। इसने दिखाया है कि कैसे देश में बुनियादी ढांचा हड़बड़ी में बनाया जाता है और गुणवत्ता पर नहीं के बराबर ध्यान दिया जाता है। बाद में उसका रखरखाव भी इतने घटिया तरीके से होता है कि वह सुरक्षा के लिए खतरा बन जाता है। यह पुल केवल 43 साल पहले बना था मगर 2022 में ही यह एकदम खस्ता हो गया था और वाहनों की आवाजाही के समय इसके खंभे हिलने लगते थे। पंचायत और जिला अधिकारियों ने पुल की हालत की जानकारी तीन साल पहले ही स्थानीय सड़क एवं पुल विभाग को दे दी थी। उसी साल सड़क-पुल विभाग की जांच रिपोर्ट में कहा भी गया कि पुल सुरक्षित नहीं है। मगर उस रिपोर्ट को कभी सार्वजनिक नहीं किया गया। उसके बजाय थोड़ी-बहुत मरम्मत के बाद पुल दोबारा खोल दिया गया।

परंतु यह त्रासदी अपवाद नहीं है। पिछले साल सरकार ने स्वीकार किया था कि उससे पहले के पांच साल में 42 छोटे और बड़े पुल ढहे हैं। सड़क और राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि 2021 से 2024 के बीच राष्ट्रीय राजमार्गों पर 21 पुल ढहे, जिनमें से 15 पूरे हो चुके थे। यहां सबक मिलता है कि तेजी से बुनियादी ढांचा बनाना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी है पहले से मौजूद ढांचे का अच्छी तरह रखरखाव करना। ध्यान रहे कि पुल सही ढंग से बनाए जाएं और उनका रखरखाव ठीक से किया जाए तो वे 50 से 100 साल तक बने रहते हैं। 1937 में पूरा हुआ सैन फ्रैंसिस्को गोल्डन गेट ब्रिज और 19वीं सदी के अंत में बना लंदन का टावर ब्रिज इसके उदाहरण हैं।

दोनों में बाद में सुधार किए गए हैं और दोनों पर ही रोज गंभीरा पुल से ज्यादा यातायात गुजरता है। पिछले कुछ साल में केंद्र और राज्य सरकारों ने आर्थिक वृद्धि के प्रमुख वाहक के रूप में बड़े पैमाने पर जो सार्वजनिक निर्माण कराया है, खराब तरीके से बनाए और संभाले जा रहे पुल उसका केवल एक पहलू हैं। केंद्र सरकार की 2025-26 में सड़क एवं राजमार्ग, बंदरगाह, हवाई अड्डे, रेल और आवास समेत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर लगभग 11.2 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3 फीसदी से ज्यादा है। इस खर्च में निजी ठेकेदार और इंजीनियरिंग कंपनियां बडे पैमाने पर शामिल हैं क्योंकि निर्माण वे ही करती हैं। इसलिए उनके काम की गहन निगरानी करना और उनकी समुचित जवाबदेही तय करना जरूरी है। दिल्ली के प्रगति मैदान अंडरपास को ही देखिए, जो 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए बनाया गया था। 700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा खर्च कर बनाए गए इस पुल को कुछ महीनों में ही भारी बारिश के बाद पानी भरने के कारण बंद कर दिया गया।

डिजाइन और इंजीनियरिंग की खामियों के कारण उसके बाद से ही इसे खतरनाक घोषित कर दिया गया है। बड़ा जोखिम यह है कि सार्वजनिक परियोजनाओं में लापरवाही भरी निगरानी और घटिया रखरखाव का चलन निजी क्षेत्र में भी पहुंच जाता है, जिसके पास सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बढ़ती जा रही हैं। बेंगलूरु हवाईअड्डे के टर्मिनल 2 की छत निर्माण के डेढ़ साल के भीतर ही टपकना शुरू कर देती है, जबकि उसमें 74 फीसदी हिस्सेदारी निजी क्षेत्र की है।

सच यह है कि जब तक अपने ऊपर आकर नहीं पड़ती, हम कुछ नहीं सीखते। परिवार को जिस तरह से धक्के दिये जा रहे हैं, हर तरह के शोषण का कारण भी बताया जा रहा है, एकल जीवन की अच्छी तस्वीरें पेश की जा रही हैं, ऐसे में परिवार जैसी संस्था को बचाये रखना दुष्कर कार्य है।

कुटुम्ब को सहेजने का प्रयास जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राजकुमार मित्तल
समाजसेवी
@jagrukjanta.net

जो आज जवान है, जिम्मेदारी उठाने से मना कर रहा है, कल वह भी बूढ़ा होगा। उसकी जिम्मेदारी भी कोई नहीं उठायेगा. पश्चिम का रहन-सहन हम सीख रहे हैं, बोली-वाणी के पीछे दौड़ रहे हैं...

गाँवों में पहले संयुक्त परिवार का अर्थ होता था- दादा-दादी, माता-पिता, चाचा, ताऊ, बुआ, उनके परिवार, बाल-बच्चे। चचेरे-तयेरे-फुफेरे, ममेरे भाई-बहन आदि को भी कुनबे और परिवार की श्रेणी में गिना जाता था। पड़ोसी गांव के लोग भी एक्सटेंडेड फैमिली में शामिल रहते थे। किस के घर में लड़की की शादी है, यह बात गांव भर को पता होती थी और जिसके घर जो हुआ, उसे भिजवा दिया जाता था ताकि लड़की वाले पर ज्यादा बोझ न पड़े।

गांव की लड़की माने सबकी लड़की। ऐसा नहीं है कि तब लड़ाई-झगड़े, दुश्मनियां नहीं होती थीं, लेकिन आमतौर पर जीवनशैली साधारण थी। संयुक्त परिवार के कारण ही कहानियों की श्रृंखला चलती थी। चौपाल पर किस्से, लोक कथाएं, लोकनाट्य सब इस जीवन के हिस्से थे। दादी-नानी की कहानियां यूं ही प्रचलन में नहीं आयी थीं। बच्चे इनसे कहानी सुनते-सुनते सपनों की दुनिया में चले जाते थे। यह एक मजबूत सिस्टम था। बच्चे अपने बुजुर्गों की देखभाल और आदर करना भी सीखते थे। उन्हें बुढ़ापे की लाठी भी कहा जाता था।

फिर ऐसा दौर आया कि नौकरी के लिए गांवों से शहरों की तरफ पलायन हुआ, परिवार बिखरने लगे। संयुक्त परिवार का मतलब माता-पिता, बच्चे और उनके बच्चे रह गये। एकल परिवार का जोर बढ़ा, जिसमें यह भावना प्रमुख थी कि एकल माने आजादी, कोई दखलंदाजी नहीं। यह बात अलग है कि परिवार के बच्चे घरेलू सहायकों, सहायिकाओं और डे केयर सेंटरों के भरोसे पलने लगे। पति-पत्नी में मनमुटाव और बढ़ते तलाक की खबरें सुर्खियां बनने लगीं।

हालांकि अब भी ऐसी खबरें कभी-कभी आती हैं कि एक परिवार तीन पीढ़ी से इकट्ठा रहता है, या कि सात भाई साथ रहते हैं। लेकिन ये उदाहरण अब आश्चर्य की तरह लगते हैं। छोटे परिवार की अवधारणा ने भी जैसे संयुक्त परिवार के ढांचे पर विराम लगा दिया। इसके अलावा अधिकारवाद का जोर बढ़ा। अधिकार मांगने वाले भूल गये कि कोई भी विचार इकतरफा नहीं होता। अधिकार यदि कर्तव्यों के बिना हैं, तो वे अधूरे हैं।

इक पहिये पर जोर बढ़े, तो गाड़ी उलट जाती है। अधिकार के साथ कर्तव्य की शिक्षा भी जरूरी है। जैसे-जैसे पढ़ाई-लिखाई बढ़ी, भूमंडलीकरण और बढ़ते मीडिया के कारण यूरोप, अमेरिका हमारे घरों में घुस आये। टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर के जरिये हम पश्चिमी जीवनशैली से परिचित होने लगे। विज्ञापन उस जीवनशैली को आदर्श की तरह प्रस्तुत करने लगे। इससे यह विचार भी अपनी जगह बनाने लगा कि पश्चिमी देशों में जो कुछ हो रहा है, वही सर्वोत्तम जीवनशैली है।

इस बारे में कुछ पश्चिम की बात भी हो जाए। लेखक के एक मित्र अक्सर यूरोप जाते रहते है। एक बार फ्रांस जाना हुआ था। वहां पेरिस स्टेशन के सामने सर्विस अपार्टमेंट लिया गया था। शाकाहारी होने के कारण होटल में खाने के मुकाबले खुद खाना बनाना ज्यादा अच्छा लगा। बच्चे भी साथ थे। एक दिन लिफ्ट से उतर रहे थे। उसमें एक बहुत बुजुर्ग महिला भी थीं। वह इस लेखक के मित्र की बहू से हमारे बारे में फ्रेंच में पूछने लगीं।

जब पता चला कि हमारे साथ जो लड़की है, हम उसके सास-ससुर हैं, तो वह बहुत खुश हुईं। कहने लगीं- इनका खूब ध्यान रखना। तुम्हारे इंडिया में फैमिली अभी बची हुई है, यह बहुत अच्छा है। हमारे बच्चे तो कभी-कभार आते हैं, मैं अकेली ही रहती हूं। सारा काम खुद करती हूं। क्या करूं, जब तक जिंदा हूं, करना ही पड़ेगा। एक घटना स्विट्जरलैंड की है। सर्न में काम करने वाली एक वरिष्ठ भारतीय वैज्ञानिक की मां बीमार थीं।

वे छुट्टी लेकर अपनी मां की देखभाल में लगी थीं। अस्पताल की नर्सें और डॉक्टर उन्हें देखकर चकित होते। एक दिन एक महिला डॉक्टर ने कहा- तुम कितनी अच्छी बेटी हो। यहां तो जितने भी बूढ़े मरीज हैं, उनके बच्चे कभी आते ही नहीं। बस कभी-कभार फोन कर कह देते हैं कि मृत्यु हो जाए, तो बता देना। बहुत से यह भी नहीं करते। यूरोप या अन्य पश्चिमी देशों में लोग समझते हैं कि भारत में परिवार सुरक्षित है। यहां सब एक-दूसरे की देखभाल करते हैं। लेकिन अकेले रहने की भावना और कौन जिम्मेदारी उठाये की सोच ने हमें भी उसी तरफ धकेल दिया है। तब कई बार ये कहावतें याद आती हैं कि जो आज जवान है, जिम्मेदारी उठाने से मना कर रहा है, कल वह भी बूढ़ा होगा। उसकी जिम्मेदारी भी कोई नहीं उठायेगा। पश्चिम का रहन-सहन हम सीख रहे हैं, बोली-वाणी के पीछे दौड़ रहे हैं, मगर वहां न केवल बुजुर्ग, बल्कि युवा भी कितने अकेले हैं, इससे कोई सबक नहीं लेते।

सच यह है कि जब तक अपने ऊपर आकर नहीं पड़ती, हम कुछ नहीं सीखते। परिवार को जिस तरह से धक्के दिये जा रहे हैं, हर तरह के शोषण का कारण भी बताया जा रहा है, एकल जीवन की अच्छी तस्वीरें पेश की जा रही हैं, ऐसे में परिवार जैसी संस्था को बचाये रखना दुष्कर कार्य है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा परिवार दिवस मनाये जाने की घोषणा इसी चिंता को रेखांकित करती है। हमें सोचना होगा, कुछ सबक लेना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार है)

स्वपनशील बुजुर्ग महिलाओं का परिदृश्य

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

प्रतिभा मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

महिला सुरक्षा की बात जब भी होती है तो यही महिलाएं ध्यान में रहती हैं। नौकरी, शादी, खेल-कूद, घूमना, कपड़े, दवाएं, खानपान सबमें युवा महिलाओं का ही बोलबाला नजर आता है। पता नहीं क्यों बुजुर्ग महिलाओं की बड़ी आबादी को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है। जबकि ये महिलाएं भी युवा महिलाओं की तरह तमाम उत्पादों की खरीदार हैं। पार्क के पास से निकलो, तो वहां सवेरे के वक्त बहुत-सी बुजुर्ग महिलाएं बैठी दिखाई देती हैं। कोई जमीन पर बैठी योग कर रही है, तो कोई प्राणायाम, कोई अपने नाती-पोते के साथ घास पर इधर से उधर दौड़ रही है, किसी के हाथ में कुत्ते की डोरी है, और कुत्ता डोरी छुड़ा कर भाग जाना चाहता है। वह ऐसा नहीं कर पाता, तो घसीटता हुआ एक ओर ले जाता है। कोई बालों में लगाने के लिए पार्क में लगी मेंहदी के पत्तों को तोड़ रही है। कोई घर से मेथी, बथुआ, पालक और मटर लेकर आई है। एक पंथ दो काज। सर्दी में धूप का लुत्फ लिया और सब्जी को साफ करने, छीलने, काटने का काम भी निपटा लिया। इसी को तो आज की भाषा में मल्टी टास्किंग कहते हैं। यही नहीं, कोई यों ही खामोश किसी सोच-विचार में मगन है, तो कहीं अलग-अलग जगहों पर महिलाओं के कई गुट बैठे हैं। उनमें से कइयों के हाथ में सलाइयां हैं, वे बातें भी कर रही हैं, स्वेटर भी बुन रही हैं। यही नहीं, इन दिनों बाजार में, माल्स में, मेट्रो में, मेलों में, वोट देने की लाइन में, कार चलाते बुजुर्ग महिलाएं खूब दिखाई देती हैं। लेकिन हमारे नीति-नियंता, कानून बनाने वालों, उद्योग, स्व-सहायता समूहों, फिल्म बनाने वालों, साहित्यकारों, नाटककारों, तमाम आनलाइन साइटों, मीडिया और विज्ञापनदाताओं की नजरों से ये महिलाएं ओझल हैं। आखिर बुजुर्गों, खासकर महिलाओं को सपने क्यों नहीं देखने चाहिए। उनके सपनों पर उम्र का बंधन क्यों होना चाहिए। जो भी कानून बनते हैं वे युवा महिला को देख कर बनाए जाते हैं। जब भी महिला सुरक्षा की बात होती है तो यही महिलाएं ध्यान में रहती हैं। नौकरी, शादी, खेल-कूद, घूमना, कपड़े, दवाएं, खानपान सबमें युवा महिलाओं का ही बोलबाला नजर आता है। पता नहीं क्यों बुजुर्ग महिलाओं की बड़ी आबादी को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है। जबकि ये महिलाएं भी युवा महिलाओं की तरह तमाम उत्पादों की खरीदार हैं। ये भी हर ग्राहक को भगवान मानने वाले उद्योग की पोटैंशियल ग्राहक हैं। ये भी अब समूह बना कर न केवल देश में, बल्कि विदेशों में घूम रही हैं। इनकी भी 'च्वाइसेज' हैं। पसंद-नापसंद हैं। ये भी तरह-तरह के अपराधों की शिकार होती हैं। मगर देखा गया है कि अक्सर ये चिंताओं से बाहर रहती हैं। इनके बारे में सदियों पुराना वह स्टीरियो टाइप नहीं टूटा है कि एक बार औरत चालीस-पचास की हुई, तो उसे हरिभजन करना चाहिए और मौत के इंतजार में रहना चाहिए। अगर वक्त बदला है तो वह बदलाव इन उम्रदराज महिलों के जीवन में क्यों चिह्नित नहीं किया जाना चाहिए।

आखर आखर-झरे उजियार

स्वर्ग और नर्क इसी धरती पर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

स्वर्गलोक और नर्कलोक के बारे में जानकारी कल्पना पर आधारित रही है। जैसा कि शास्त्रों में जिक्र आता है, स्वर्ग में सर्वत्र सुख शांति और खुशहाल जीवन के लक्षण नज़र आते हैं, जब कि नर्क में कष्ट, दुःख और परेशानियों का माहौल रहता है।

लेबनानी अमेरिकी कवि, लेखक और चिंतक खलील जिब्रान ने अपनी एक कहानी के माध्यम से ये बात स्थापित की है कि स्वर्ग और नर्क कहीं ओर नहीं है, यहीं इसी धरती पर है।

गुरुकुल के एक विद्यार्थी ने अपने गुरु से पूछा, गुरुदेव! आप अक्सर कहा करते हो कि स्वर्ग और नर्क इसी धरती पर है। क्या आप मुझे प्रत्यक्ष दिखाने की कृपा करेंगे। गुरु जी ने कहा, अवश्य।

गुरुदेव, फिर विलम्ब क्यों? आज ही दिखला दीजिए स्वर्ग और नर्क की हकीकत। गुरुजी ने शिष्य को भिक्षाटन का आदेश दिया और ये भी निर्देश दिया कि शाम तक जैसी भी स्थिति हो, लौट आना।

भिक्षा प्राप्ति के लिए नगर की बस्तियों में उसने भ्रमण किया। वहां एक घर ऐसा मिला, घर का मालिक अपनी पत्नी को बुरी तरह पीट रहा था। पति के हाथ चल रहे थे और पत्नी की जुबान। उनका बेटा कोने में सहमा सहमा खड़ा था। ऐसे हालात में गृह स्वामी ने भिक्षु को एक रुपया प्रदान कर दिया। असमंजस में पड़ा शिष्य आगे बढ़ा। एक अन्य द्वार पर उसने देखा, घर में वातावरण शांत है। पति पत्नी के बीच हंसी मज़ाक हो रही है। आंगन में बालक खेल रहा है। पत्नी ने दरवाजे पर खड़े भिक्षुक को विनम्रता से कहा, क्षमा करें महाराज, हम निर्धनता में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुछ देने में असमर्थ हैं। शाम हो गई थी। शिष्य लौट आया। दिन भर की आप बीती गुरुजी को सुनाई।

उसने दो परिवारों की विशेष चर्चा की। एक जिस के घर में अशांति का माहौल था। पति पत्नी में झगड़ा हो रहा था। और गृह क्लेश की स्थिति में उनसे एक रुपये की भिक्षा प्रात हुई। दूसरा जहाँ से उसे भिक्षा तो नहीं मिली, लेकिन घर में सुख शांति का वातावरण था।

गुरुदेव ने समझाया, जहां गृह क्लेश देखा, वहां नर्क और जहाँ सुख शांति का वातावरण दिखलाई दिया, वहां स्वर्ग था। यानी जहां सद्भाव, सदाशयता हो, वहां प्रत्यक्ष स्वर्गलोक है और जहां क्रूरता और निर्दयता का व्यवहार हो, वहां साक्षात नर्क है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

5. **अग्निः** जैसे अग्नि तेजस्वी और ज्योतिर्मय होती है, उसे कोई अपने तेज से दबा नहीं सकता। अग्नि अपने पास संग्रह परिग्रह नहीं करती, सब कुछ अपने पेट में भस्मसात कर लेती हैं, जलाई जाने वाली वस्तुओं के गुण-दोषों से लिप्त नहीं होती। वैसे ही हमें परम तेजस्वी, तब आदि में देदीप्यमान, इन्द्रियों से अपराभूत यानि उनके वश में न आने, किसी का दोष अपने में न आने की शिक्षा देती है। जैसे अग्नि कहीं (लकड़ी आदि में) अप्रकट और कहीं प्रकट रहती हैं वैसे ही हमें कहीं गुप्त और कहीं प्रकट होने की शिक्षा देती है। जैसे अग्नि लम्बी, चौड़ी, सीधी, टेढ़ी लकड़ियों में रहकर उन्हीं के समान टेढ़ी-सीधी दिखाई देती है, किन्तु अग्नि वैसी है नहीं, वैसे ही हमें शिक्षा देती है। सर्वव्यापक आत्मा भी जगत में व्याप्त होने के कारण अनेक वस्तुओं के नाम रूप से कोई संबंध नहीं रखती।

6. **चन्द्रमाः** जैसे काल के प्रभाव से चंद्रमा की कला घटती-बढ़ती रहती है तथापि चंद्रमा न घटता है न बढ़ता है वैसे ही जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त जितनी भी अवस्थाएं हैं सब शरीर की है, आत्मा से उसका संबंध नहीं है। जैसे आग की लपट और दीपक की लौ क्षण-क्षण में उत्पन्न और नष्ट होती रहती हैं उनका यह क्रम निरंतर चलता ही रहता है,

क्रमशः

ओपिनियन ; अतिरिक्त नकदी का प्रबंधन

वित्तीय बाजारों को चाहिए अधिक स्पष्टता

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारतीय बैंकिंग व्यवस्था में नकदी की स्थिति विगत कुछ तिमाहियों में तेजी से बदली है। वर्ष 2024 के अंत में जहां बैंकिंग व्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपये की कमी थी वहीं अब 3 लाख करोड़ रुपये प्रति दिन के अधिशेष की स्थिति में है और यह राशि कुछ दिनों में बढ़कर 4 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। कई बार केंद्रीय बैंक व्यवस्था को जानबूझकर कमी या अधिशेष की स्थिति में रखते हैं ताकि मौद्रिक नीति संबंधी लक्ष्यों को हासिल किया जा सके, परंतु किसी भी तरह की अति के अनचाहे परिणाम सामने आ सकते हैं। उदाहरण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को हाल की तिमाहियों में नकदी की कमी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। इसकी एक वजह रुपये के समर्थन के लिए मुद्रा बाजार में उसके द्वारा किया गया हस्तक्षेप भी रही। इससे बाजार में ब्याज दरें बढ़ीं। बहरहाल, रुपये पर दबाव कम होने पर हालात बदले और मुद्रास्फीति संबंधी हालात अनुकूल हो गए। जैसा कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा के 6 जून की मौद्रिक नीति के बाद के वक्तव्य में कहा गया, केंद्रीय बैंक ने जनवरी से 9.5 लाख करोड़ रुपये की टिकाऊ नकदी व्यवस्था में डाली। केंद्रीय बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी 100 आधार अंकों की कमी करने का भी निर्णय लिया जिसे चार टुकड़ों में लागू किया जा रहा है। इससे व्यवस्था में 2.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य की टिकाऊ नकदी आएगी। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि व्यवस्था में अतिरिक्त नकदी इस वर्ष 5 लाख करोड़ रुपये तक जा सकती है। नकदी की कमी से मुद्रा बाजार की दरें बढ़ती हैं और आम तौर पर ऋण दरों में भी इजाफा होता है। ऐसे में अधिशेष नकदी का विपरीत प्रभाव होता है। व्यवस्था में अतिरिक्त नकदी से मुद्रास्फीति संबंधी जोखिम बढ़ते हैं। हालांकि निकट भविष्य में भारत मुद्रास्फीति के मोर्चे पर सहज स्थिति में है लेकिन अतिरिक्त नकदी परिसंपत्ति मूल्य मुद्रास्फीति में इजाफा कर सकती है। उदाहरण के लिए बैंकों ने अन्य दरों के साथ बचत जमा दरों में कटौती की है जिससे बचतकर्ता अपने फंड बेहतर यील्ड वाली परिसंपत्तियों में लगा सकते हैं।

अतिरिक्त नकदी बैंकिंग व्यवस्था को कम दरों पर ऋण देने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। जैसा कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित एक रिपोर्ट दिखाती है, कई बाजार प्रतिभागी उस समय चकित रह गए जब एक सरकारी उपक्रम को केवल 6.1 फीसदी की दर पर 1,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया। यह लगभग फंड की लागत के ही बराबर है। फंड की सहज उपलब्धता कुछ बैंकों को ऐसी संस्थाओं को ऋण देने को प्रेरित कर सकती है जो अयोग्य हों। बहरहाल, यह ध्यान देने लायक है कि कम नीतिगत दर या अतिरिक्त नकदी शायद बैंक ऋण को बढ़ावा न दे और उसकी कई वजह हो सकती हैं। विश्व स्तर पर अहम निश्चितता व्याप्त है जो निजी क्षेत्र के निवेश निर्णयों पर असर डालेगी। इतना ही नहीं कंपनियां पूंजी बाजार से और अधिक फंड जुटा रही हैं। जैसा कि रिजर्व बैंक की ताजा वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट दिखाती है, पूंजी बाजार से जुटाए जाने वाले संसाधन 2024-25 में 32.9 फीसदी बढ़े हैं और डेट के क्षेत्र में इनमें 60 फीसदी का इजाफा हुआ। इस वर्ष सर्वाधिक कॉर्पोरेट बॉन्ड जारी किए गए जिनका मूल्य 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। डेट बाजार में गहराई बढ़ने के साथ ही उच्च दर वाले निगमों को डेट बाजार से फंड जुटाना अधिक आसान लगेगा बजाय कि बैंकिंग व्यवस्था के। ऐसे में प्रतिस्पर्धा बैंकिंग व्यवस्था में शुद्ध ब्याज मार्जिन पर असर डालेगी।

नकदी प्रबंधन के संदर्भ में जहां रिजर्व बैंक परिवर्तनीय दर रिवर्स रीपो वहीं वेटेड औसत कॉल दर भी नीतिगत दर से काफी नीचे है। रिजर्व बैंक अपने हालिया नीतिगत फैसलों के प्रसार को सक्षम बनाने के लिए कुछसमय तक चीजों को इसी प्रकार बनाए रखने का इरादा रख सकता है। यद्यपि उसे प्रणाली में अतिरिक्त नकदी के प्रबंधन के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे। खासकर जब सीआरआर में कमी के कारण और अधिक नकदी जारी होने की उम्मीद है। उसे बाजार को यह भी बताना चाहिए कि वह अतिरिक्त नकदी को किस स्तर पर बनाए रखना चाहता है।

जागरूक जनता Selfie विद सन

दिनेश सन रामप्यारी देवी, सांगानेर, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

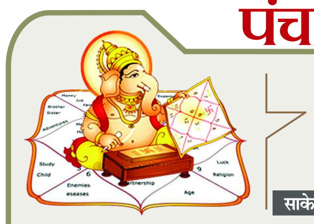

ज्योतिर्विद अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 16/07/2025

सूर्योदय : 05:47 **सूर्यास्त** : 19:18 **चन्द्रोदय** : 23:04 **चन्द्रास्त** : 10:51 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत्** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : आषाढ़ा **पूर्णिमांत** : श्रावण **सूर्य राशि** : मिथुन **चन्द्र राशि** : मीन **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : षष्ठी, 20:59 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : वर्षा **द्रिक अयन** : दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 28:40 तक
योग : शोभना, 11:53 तक
प्रथम करण : गारा, 09:51 तक
द्वितिय करण : वणिजा, 20:59 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:12 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:32 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:45 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:19 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:20 पी एम से
अमृत काल	12:13 ए एम, जुलाई 17 से
निशिता मुहूर्त	12:07 ए एम, जुलाई 17 से
रवि योग	05:46 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

होमाहुति : गुरु

चन्द्रवास : उत्तर

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ	05:46 - 07:27
अमृत	07:27 - 09:09
काल काल वेला	09:09 - 10:50
शुभ	10:50 - 12:32
रोग वार वेला	12:32 - 14:13
उद्वेग	14:13 - 15:54
चर	15:54 - 17:36
लाभ	17:36 - 19:17

रात का चौघड़िया

उद्वेग	19:17 - 20:36
शुभ	20:36 - 21:54
अमृत	21:54 - 23:13
चर	23:13 - 00:32
रोग	00:32 - 01:50
काल	01:50 - 03:09
लाभ	03:09 - 04:28
उद्वेग	04:28 - 05:46

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज षष्ठी

आज कौन सा कार्य करें

यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

श्रावण, कृष्ण, षष्ठी, 2082 बुधवार, 16 जुलाई - 22 जुलाई, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]

मित्रों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]

बीमारी पर खर्च होगा। बुजुर्गो के साथ समय बिताएं मार्गदर्शन मिलेगा। **संतान** से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

राजस्थान एआई पॉलिसी-2025 के प्रारूप पर स्टेक होल्डर्स की परामर्श कार्यशाला

राजस्थान बनेगा एआई विकास का उभरता केंद्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग राजस्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पॉलिसी-2025 लाने जा रहा है, जिसका उद्देश्य राज्य को जिम्मेदार, समावेशी और नवाचार-प्रधान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विकास का उभरता केंद्र बनाना है। विभाग की शासन सचिव अर्चना सिंह ने कहा कि यह नीति स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और शहरी प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग को बढ़ावा देगी, ताकि जन-केंद्रित सेवाओं में सुधार हो और आर्थिक विकास को गति मिले। शासन सचिव अर्चना सिंह राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय एआई पॉलिसी स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। कार्यशाला में राजस्थान एआई पॉलिसी-2025 के मसौदे पर चर्चा की गई, जिसे विभाग की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया गया है। अर्चना सिंह ने बताया कि कोई भी व्यक्ति इस मसौदे पर अपनी राय और सुझाव साझा कर सकता है।

देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों ने रखे विचार

दो सत्रों में आयोजित हुई इस कार्यशाला के पहले सत्र में ऑरेकल, आईबीएम, ऑर्बिट, अर्नेस्ट एंड यंग, एनईसी जैसी एआई क्षेत्र की देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों से जुड़े प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया, जबकि दूसरे सत्र में आईआईएम उदयपुर, आईआईटी कानपुर, आईआईटी जोधपुर और एमएनआईटी जयपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स और एआई के विद्यार्थियों ने ड्राफ्ट पॉलिसी पर अपने विचार रखे। एनईसी कंपनी के प्रतिनिधि दीपक पठानिया ने इस नीति को लाने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित तौर पर यह पॉलिसी प्रदेश के लिए बेहद कारगर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पॉलिसी लागू करते समय व्यावहारिक अप्रोच का उपयोग करे, जिससे कि हर स्तर पर एआई के उपयोग को सफल बनाया जा सके एवं नीति के प्रारूप में सम्मिलित होने से शेष रही सम्भावनाओं को भी पॉलिसी में समाहित किया जा सके। अर्नेस्ट एंड यंग की प्रतिनिधि सुश्री विभा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ड्राफ्ट एआई पॉलिसी में आवश्यक महत्वपूर्ण घटकों को शामिल किया गया है। उन्होंने पॉलिसी को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए प्लेबुक का सुझाव दिया, जिससे एआई उपयोग के नैतिक नियमों को प्रायोगिक तौर पर समझा जा सके। स्वयंसेवी संस्था डिजिटल एम्पॉवरमेंट फाउंडेशन के प्रतिनिधि सौरभ श्रीवास्तव ने पॉलिसी से प्रदेश की महिलाओं, विशेष योग्यजनों एवं वृद्धजनों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के सम्बंध में बात कही। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का तर्क देते हुए ग्रीन डेटा सेंटर का सुझाव दिया तथा एआई के उपयोग से होने वाले विभिन्न तरह के वित्तीय फ्रॉड और डीपफेक जैसी चुनौतियों से निपटने के उपायों को पॉलिसी में समाहित करने का सुझाव दिया। देश एआई ग्लासेज स्टार्टअप के संस्थापक हिमांशु डागा ने एआई की विश्वसनीयता तथा समाज के प्रति जवाबदेही के संबंध में विचार व्यक्त किए। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर की वाइस चांसलर श्रीमती गुरप्रीत कौर ने एआई के कानूनी परिप्रेक्ष्य में उपयोग को साझा किया और शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों को एआई टूल्स से प्रशिक्षित करने पर बल दिया।

राजस्थान एआई पॉलिसी-2025

नीति के प्रमुख उद्देश्यों में सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार, नैतिक और जिम्मेदार एआई विकास, मजबूत कानूनी ढांचे की स्थापना, कुशल कार्यबल तैयार करना, नवाचार को बढ़ावा देना और समावेशी पहुंच सुनिश्चित करना शामिल है। इसके लिए तीन प्रमुख कारक निर्धारित किए गए हैं: सरकारी स्तर पर नैतिक एआई अपनाना, कौशल विकास और अनुसंधान को प्रोत्साहन, और मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण।

बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई (सीओई-एआई) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह केंद्र अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप्स को समर्थन देगा, साथ ही सरकारी, शैक्षणिक और निजी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा। नीति नेशनल इंडिया एआई मिशन के साथ संरेखित है और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाती है। नीति के मसौदे में बहु-स्तरीय संस्थागत ढांचे की स्थापना प्रस्तावित है, जिसमें एआई अपेक्स कमेटी, स्टीयरिंग कमेटी, एआई टास्क फोर्स और विभागीय एआई नोडल ऑफिसर शामिल हैं। यह नीति राजस्थान को जिम्मेदार और समावेशी एआई अपनाने में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

151 जोड़ों ने किया शिव महारुद्राभिषेक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विराज फाउंडेशन के तत्वाधान में कर्णी वाटिका मौर्य मोरिजा रोड चोमू में श्री श्री 108 गीता जी महाराज के सानिध्य में 151 जोड़ो द्वारा सामूहिक शिव पार्थिव महा रुद्राभिषेक में आचार्य पंडित राकेश शर्मा उप आचार्य पंडित मनोज शर्मा एवं व्यवस्थापक कैप्टन पंडित श्रीराम शर्मा सह आचार्य विकास शर्मा के आचार्यत्व में 111 विद्वानों ने रुद्री के पाठ कर कार्यक्रम को संपन्न करवाया। प्रदेश सलाहकार नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम में महासचिव बनवारीलाल शर्मा, मुख्य अतिथि उदयपुर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य गौरी शंकर इंदौरिया एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने की,कार्यक्रम के मुख्य यजमान मकखनलाल शर्मा रहे। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण बैंड बाजे के साथ भगवान शिव एवं पार्वती की बारात एवं तांडव नृत्य रहा कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा, नगर पालिका सभापति किरण शर्मा, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनुराग शर्मा, सीमेंट व्यापार व्यापार व्यापार मंडल अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, पूर्व गौड विप्र समाज अध्यक्ष कृपा शंकर शर्मा ने कथावाचक चंद्र प्रकाश शास्त्री ने शिरकत की इस दौरान कार्यक्रम में गोपाल शर्मा, डॉ ओम प्रकाश शर्मा, डॉ बंशीधर शर्मा, डॉ रामप्रकाश शर्मा चंद्र प्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश रीडर, डॉ सीताराम कुमावत, नारायण लाल शर्मा, रामलाल शेरावत, सत्य प्रकाश पारीक, भवानी शंकर शर्मा, मुकेश दीक्षित, मुकेश लालानी, ममता दीक्षित, सुधा शर्मा डॉ सुरेंद्र शर्मा, आदि लोगों उपस्थित रहे।

जागरूक खबरें

कुलदीप ज्योतिष क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। वैदिक ज्योतिषी एवं के.पी. विशेषज्ञ इंजीनियर कुलदीप शर्मा को ज्योतिष के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रिज फ्यूचर पॉइंट के संस्थापक पंडित ब्रिज भूषण शर्मा एवं सेलिब्रिटी एवं टीवी ज्योतिषी डॉ. शैलेन्द्र पांडे द्वारा होटल मेट्रो व्यू, करोल बाग, नई दिल्ली में जन्मतिथि से वास्तु एवं संबंध जानने के विषय पर आयोजित कार्यशाला के अवसर पर सम्मानित किया गया।

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयपुर @ जागरूक जनता। सांगानेर मालपुरा गेट स्थित एक पेड़ मां के नाम तथा हरियालो राजस्थान अभियान के तहत को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के तहत सांगानेर स्थित बालिका विद्यालय एवं शहीद पुनीत नाथ राज. उच्च प्राथमिक विद्यालय में वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। भगवाधारी सांगानेर 89 पार्षद गिर्राज शर्मा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण अति आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में, आम, अमरूद, अनार , चीकु, बिल्वपत्र आदि के 50 पौधे लगाकर छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलायी। इस मौके पर भगवान सहाय शर्मा,उषा शर्मा, दयानंद शर्मा,अरुण शर्मा,सुनिल गुप्ता, विमलेश शर्मा आदि विद्यालय के स्टाफ मौजूद रहे।

सुविख्यात बाबा रामदेवरा मेला 25 अगस्त से

जैसलमेर @ जागरूक जनता। जगविख्यात लोक आस्था एवं श्रद्धा के प्रतीक बाबा रामदेवरा मेला-2025 का आयोजन विधिवत रूप से भादवा शुक्ल पक्ष की बीज, 25 अगस्त से प्रारंभ होगा। लेकिन मेलार्थियों की आवक को ध्यान ने रखते हुए, 10 अगस्त से ही प्रशासनिक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी। जिला कलक्टर प्रताप सिंह अध्यक्षता में पंचायत समिति सांकड़ा के सभागार में मेले की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि बाबा रामदेव मेले में देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुविधा संपन्न वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ पूर्व तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें।

खरीफ की फसलों की निराई गुड़ाई में जुटे किसान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी बारिश के बाद खेतों में खरीफ की फसल अंकुरित होने के बाद किसान निराई गुड़ाई में जुटे हुए हैं। इस बार अच्छी बरात से खेतों में चारों तरफ अच्छी फसल लहरा रही है।

फसलों में जरुरी है निराई गुड़ाई -फसलों की निराई गुड़ाई खरपतवार को हटाने और मिट्टी को ढीला करने के लिए एक एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो पौधों के विकास और उपज के लिए आवश्यक है खरपतवार पौधे होते हैं जो मुख्य फसल के साथ उगते हैं। खरपतवार को काटने के लिए इन दिनों जिधर देखो उधर किसान खेतां में जुटा हुआ है।

शुभम जैन बेस्ट वीडियो क्रिएटर अवॉर्ड से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। होटल फ्लॉवर इन में कोटा इंफ्लुन्सर क्लब द्वारा सभी इंफ्लुन्सर को एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए वीडियो क्रिएटर अवार्ड का आयोजन किया गया जिसमें चांदखेड़ी खानपुर से शुभम जैन को वीडियो क्रिएटर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अवार्ड प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए हाड़ौती के कही कलाकार शामिल हुए। ब्लॉगर, इंफ्लुन्सर होने के साथ ही कही गीत में प्रमोशन के कार्य में निरंतर अपनी भूमिका में कार्य कर रहे है। शुभम जैन ने बताया राजस्थानी होने पर हमें गर्व है हाड़ौती में अपने क्षेत्र में सभी अच्छा कर रहे है सभी कलाकार को एक साथ मिलकर कही सामाजिक बदलाव के लिए बेहतर कार्य करने चाहिए ।

धूमधाम से मनाई दक्ष प्रजापति महाराज की जयंती

101 कलशों से निकली यात्रा, 200 छात्रों का सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सांगानेर दुर्गापुरा दक्ष प्रजापति समाज के द्वारा दक्ष प्रजापति महाराज की जयंती धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान शहर के प्रमुख मार्गो से बैंडबाजों के साथ दक्ष प्रजापति महाराज जंयती पर समारोह व कलश यात्रा निकाली दक्ष प्रजापति महाराज जंयती समारोह की शुरूआत शीतला माता दुर्गापुरा मंदिर से रवाना होकर राजस्थान गौ सेवा संघ आध्यात्मिक सभागार गौशाला दुर्गापुरा में स्थित पहुंची। दक्ष प्रजापति महाराज जंयती समारोह में दक्ष प्रजापति महाराज की स्वरूपों की झांकी सजाई गई थी। जो कि आकर्षण का केन्द्र रही। दक्ष प्रजापति महाराज जंयती सम्मान समारोह में महिलाएं सिर पर कलश रखकर चल रही थी। वहीं समाज के अपने युवा हाथों से पुष्प वर्षा कर रहै थे। इस दौरान महाराज दक्ष की झांकी भी चल रही थी। जहां प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रुप में सिविल लाईन्स विधानसभा विधायक गोपाल लाल शर्मा, बगरु विधायक डॉ कैलाश वर्मा,श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक, श्रीयादे माटी कला बोर्ड पूर्व उपाध्यक्ष पप्पू लाल प्रजापति, अखिल भारतीय कुंभकार महासंघ युवा प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र अर्जून लाल मूर्तीकार, अखिल भारतीय कुंभकार महासंघ दिल्ली, राजस्थान प्रभारी अखिल भारतीय कुंभकार महासंघ दयाल प्रजापत, अमृत माटीई कलां बोर्ड सपना प्रजापत, रेणु प्रजापति अखिल भारतीय कुंभकार महासंघ महिला जयपुर, कैलाश प्रजापत मुहाना राज. प्रदेशाध्यक्ष, मोहनलाल प्रजापत उपस्थित रहे। इस मौके पर अतिथियों ने समाज के 200 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रजापति पांडव सेना ने आभार व्यक्त किया। दक्ष प्रजापति महाराज की जयंती कार्यक्रम के अवसर पर सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवा ब्रिगेडर जय राम प्रजापति, मुकेश प्रजापति, शंकर प्रजापति, धर्मेंद्र भाणा प्रजापति, रंगलाल नरपुरा, लक्ष्मण चाकसू, लक्ष्मीनारायण गेंदीलाल सीतारामपुरा, सत्यनारायण नरपुरा, अंकित प्रजापति ,गणेश प्रजापति,एवं समस्त प्रजापति समाज के लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान केंद्रीय विवि द्वारा क्षमतावर्धन कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। "आउटकम-बेस्ड करिकुलम डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट" विषय पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पांच दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यक्रम का आयोजन 14 से 18 जुलाई तक किया जा रहा है। विभिन्न तकनीकी सत्रों में सभी प्रतिभागियों को एनआईटीटीटीआर भोपाल से आए विषय विशेषज्ञ प्रो. अंजू रॉली एवं प्रो. जे.पी. टेगर प्रशिक्षण दे रहे है। प्रो. अंजू रॉली ने एनईपी 2020 के अंतर्गत लचीले पाठ्यक्रम ढांचे, नवाचारयुक्त और उत्तरदायी पाठ्यक्रम, बहुविषयी पाठ्यक्रम एवं समग्र विकास आदि विषयों पर प्रशिक्षण दे रही है।

प्रो. जे.पी. टेगर ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क की विशेषताओं का परिचय देते हुए बताया कि यह ढांचा शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं कौशल-आधारित शिक्षा को स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक एकीकृत करने हेतु डिज़ाइन किया गया है, जिससे आजीवन अधिगम एवं लचीले कैरियर मार्गों को बढ़ावा मिलेगा।

मॉनसून में पाएं सेहत के फल

मौसमी फलों का हमारी सेहत पर खास असर होता है। इन दिनों मिलने वाले जामुन, नाशपाती और आम ऐसे फल हैं जिनकी अपनी-अपनी खासियतें हैं। लेकिन इन्हें हर दिन कितनी मात्रा में खाना चाहिए? क्या डायबीटीज होने पर भी इनका सेवन कर सकते हैं? ये वजन घटाते हैं या बढ़ाते हैं? किन लोगों को इनसे परहेज करना चाहिए? **जागरूक जनता के फीचर पेज में मौसमी फलों से जुड़ी रोचक जानकारी।**

जामुन
मॉनसून का स्पेशल गिफ्ट

पता है! प्राचीन समय में हमारे देश की पहचान इसलिए भी थी क्योंकि यहां जामुन के पेड़ थे। इसकी चर्चा पुराणों में भी हुई है। **आज भी जब घरों में कथा कराई जाती है तो यह संकल्प जरूर कहा जाता है: जम्बुद्वीपे भरतखण्डे आर्यावर्ते भारतवर्षे।** इसमें जम्बूद्वीप का मतलब ऐसा द्वीप जहां पर जम्बू (जामुन) के पेड़ हैं। वैसे तो अब सालभर भी जामुन खोजेंगे तो मिल सकते हैं, लेकिन बरसात के अलावा किसी दूसरे मौसम में जामुन खाने से फायदा कम, नुकसान ज्यादा हो सकता है। दरअसल, जामुन की पैदावार मॉनसून आने से कुछ पहले से शुरू होती है और अगले 2 से 3 महीनों तक ही होती है। इस दौरान मिलने वाले जामुन की खासियतें बहुत हैं। पाचन तंत्र के लिए बढ़िया, इम्यूनिटी के लिए अच्छा, कैल्शियम और पोटैशियम का अच्छा सोर्स, मीठा बहुत कम, आयुर्वेद में भी बहुत गुणकारी बताया गया है। अगर जामुन को स्टोर करके रखा जाए तो इसमें कुछ केमिकल मिलाने ही पड़ते हैं, इससे ये नुकसानदायक हो जाते हैं।

क्यों फायदेमंद है जामुन खाना?

डाइजेस्टिव सिस्टम की मजबूती: जामुन में ऐसे कई तत्व मौजूद हैं जो पाचन क्षमता मजबूत करते हैं। पेट में मौजूद गुड बैक्टीरिया को भी जामुन बहुत पसंद है।

खून साफ करता है और इम्यूनिटी मजबूत: इसमें मौजूद एंथोसायनिन, फ्लेवोनॉयड्स और विटामिन-C शरीर को डिटॉक्स (शरीर से हानिकारक पदार्थ बाहर निकालने) करने में मदद करता है। इससे स्किन ग्लो भी करती है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। कैंसर के ट्यूमर को कम करने के मामले में भी एंथोसायनिन फायदेमंद है।

किडनी और लिवर के लिए फायदेमंद: इसमें डायूरेटिक यानी यूरिन निकालने में मदद करने वाला गुण भी होता है। इससे यह किडनी को साफ रखने में मदद करता है। यह फैटी लिवर को कम करने में भी मददगार है।

डायबीटीज कंट्रोल: जामुन की गुठली में जंबोलिन और जाम्बोसिन जैसे फायदेमंद कंपाउंड मिलते हैं जो ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में मददगार हैं।

वजन कम करने वालों के लिए: जामुन की खासियत यह भी है कि इसके 100 ग्राम फल में महज 60 से 65 कैलरी मौजूद होती है। यह मात्रा केला, चावल, रोटी, ब्रेड आदि की तुलना में काफी कम होती है।

ऐसे खाना ज्यादा फायदेमंद

ताजा जामुन: अगर जामुन को पेड़ से तोड़ने के बाद 1 से 2 दिनों के अंदर खा लें तो इसमें मौजूद ज्यादातर मिनरल, विटामिन, ऐंटिऑक्सीडेंट्स मिल जाते हैं यानी यह सबसे ज्यादा फायदेमंद इसी तरह से खाने से होता है। ध्यान रहे कि कई लोग इसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर खाते हैं। यह स्वाद के लिहाज से बढ़िया हो सकता है, लेकिन फायदे के लिहाज से बढ़िया नहीं कहा जा सकता। जामुन का स्वाद पहले से ही हल्का कसैला होता है। इसमें अलग से नमक मिलाने की जरूरत नहीं होती।

जामुन का सिरका: इस तरह से जामुन तभी खाना चाहिए जब यह ताजा न मिले। वैसे जामुन का सिरका डाइजेशन सही करने और शुगर कंट्रोल करने में मददगार है।

बीज का पाउडर: आयुर्वेद में जामुन और इसके बीज के पाउडर को काफी उपयोगी बताया गया है। यह भी शुगर कंट्रोल करने में मददगार है। वैसे तो सिरका और पाउडर की मात्रा वैद्य को पूछकर तय करनी चाहिए, फिर भी यह दिन में 1 से डेढ़ चम्मच से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

जामुन में क्या-क्या?

पोषक तत्व	(100 gm में)	फायदा
कैलरी	62 kcal	कम कैलोरी वाला फल
कार्बोहाइड्रेट	14 gm	एनर्जी का अच्छा सोर्स
विटामिन-C	18 mg	इम्यूनिटी मजबूत
आयरन	1.4 mg	एनीमिया में उपयोगी
कैल्शियम	15 mg	हड्डियों के लिए बढ़िया
पोटैशियम	55 mg	बीपी कंट्रोल में मददगार
एंथोसाइनिन	100-250 mg	स्किन के लिए बढ़िया
फ्लेवोनॉयड्स	50-100 mg	बढ़िया ऐंटिऑक्सिडेंट्स
टैनिन	30-70 mg	सूजन कम करता है।

एक दिन में कितनी मात्रा में खाएं?

बच्चे (5-12 साल) 5-10 जामुन (100 ग्राम तक)

युवा (13-40 साल) 150-200 ग्राम (1 बड़ी कटोरी)

प्रौढ़ (40+ साल) 100-150 ग्राम

डायबीटिक 8-10 जामुन या 1 चम्मच बीज का पाउडर, दिन में 1-2 बार

ध्यान दे: सुबह खाली पेट न खाएं और न ऊपर बताई गई मात्रा से ज्यादा खाना है। ऐसा करने से गले में खराश और कभी-कभी एसिडिटी का खतरा भी रहता है

कब न खाएं या कम खाएं जामुन

- खून पतला करने वाली दवा ले रहे हों तो डॉक्टर से पूछकर खाएं। दरअसल, जामुन (मौजूद तत्व फ्लेवोनॉयड्स) खून को पतला करने में भी मददगार है। इसका मतलब यह नहीं कि जो लोग इसके लिए दवा लेते हैं, वे दवा बंद कर दें।
- ब्लड शुगर लो रहती है तो ज्यादा खाने पर मुमकिन है शुगर कम हो जाए।
- जिन लोगों में अक्सर कमजोरी, चक्कर, भूख कम लगना जैसे लक्षण रहते हैं। ऐसे लोग जब जामुन खाते हैं तो ब्लड शुगर और नीचे जा सकता है।
- इसमें टैनिन भी होता है। इस वजह से यह कुछ लोगों में एसिडिटी या गले में जलन बढ़ा सकता है। ऐसे लोग जामुन खाने के बाद आधा गिलास गुनगुना पानी पी लें तो कुछ फायदा हो सकता है या फिर जामुन भोजन के साथ ले लें। दरअसल, टैनिन (यही तत्व चाय पत्ती में भी मिलता है) की ज्यादा मात्रा से शरीर को आयरन जज्ब करने में परेशानी होती है। चूंकि यह खून पतला करने में मददगार है, ऐसे में अगर किसी की सर्जरी होनी है तो सर्जरी से 1-2 हफ्ते पहले और बाद में जामुन का सेवन न करें तो बेहतर है।

आयुर्वेद में जामुन

आयुर्वेद में जामुन (जम्बू) को काफी उपयोगी औषधीय फल माना गया है। इसे ग्रही यानी आंतों को संबल देने वाला और खून साफ करने वाला कहा गया है। इसका उपयोग डायबीटीज, दस्त, डाइजेशन में परेशानी में, त्वचा और यूरिन से जुड़ी परेशानियों में किया जाता है। इसमें कषाय (कसैला), मधुर और तिक्त रस होता है और इसकी तासीर शीतल मानी जाती है। यह पित्त और कफ दोष को शांत करता है और ज्यादा लेने पर हल्के रूप में वात दोष को बढ़ा सकता है। जामुन का बीज खासतौर पर डायबीटिक मरीजों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

- इसकी छाल और पत्ते मुंह के छाले और मसूड़ों की सूजन कम करने में मददगार होता है।
- मसूड़ों से खून आने की स्थिति में एक चौथाई कप कच्चे फल का जूस और एक चुटकी सेंधा नमक लेकर गरारे करना फायदेमंद रहता है।इसकी पत्तियों को चबाने और फिर पानी से कुल्ला कर लेने से दांतों में कीड़ा लगने की समस्या से राहत मिल सकती है।
- यह घाव भरने में भी मददगार होता है।

इनके साथ न खाएं जामुन

दूध: जामुन के साथ दूध का सेवन करने से अपच हो सकता है।

हल्दी: जामुन और हल्दी का एक साथ सेवन नही करना चाहिए क्योंकि ये नुकसानदायक हो सकते है।

ऐसे खरीदें जामुन

कुछ फल विक्रेता जामुन में चमक लाने के लिए तेल, रिफाइंड या फिर मोम की कुछ मात्रा इस पर डाल देते है। ये हानिकारक है। इसलिए यह जरूर देख लें कि जामुन जरूरत से ज्यादा तो नही चमक रहे।

नाशपाती
रोगों का नाश करने वाली

वैसे तो यह फल साल के 12 महीने मिल जाता है, लेकिन असल में मॉनसून से कुछ पहले और मॉनसून के कुछ बाद तक इसका सीज़न रहता है। कुछ लोग इसे गरीबों का सेब (Apple) कहते हैं, पर सच तो यह है कि यह गरीबों ही नहीं, अमीरों के लिए भी उतना ही उपयोगी है। सबसे अहम बात यह कि इसमें मौजूद फाइबर शानदार हैं। साथ ही इसमें फ्रुक्टोज़ (फल में मिलने वाला ग्लूकोज़) की मात्रा भी कम होती है यानी यह उन लोगों के लिए भी फायदेमंद है जो अपना वजन कम करना चाहते हैं या फिर जिन्हें फल भी खाने हैं और डायबीटीज को भी काबू में रखना है।

क्यों खास है नाशपाती

अगर किसी पुरुष या महिला के पेट का आकार Pear (नाशपाती) जैसा हो तो इसे सही माना जाता है। यह तो सिर्फ आकार की तुलना है, पर यह भी सच है कि नाशपाती में भी कुछ ऐसे गुण भी हैं जो सेब के बराबर या बेहतर माने जा सकते हैं।

लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स: इसे खाने के बाद खून में शुगर का लेवल धीरे-धीरे बढ़ता है यानी डायबीटीज पेशंट के लिए फायदेमंद है। हाई फाइबर होने से यह पाचन में भी मददगार है। इसके अलावा यह पेट में इन्फ्लेमेशन कम करने में भी मदद करता है।

स्किन और इम्यून सिस्टम के लिए उपयोगी: इसमें मौजूद विटामिन-C, कॉपर और ऐंटिऑक्सीडेंट्स की वजह से त्वचा को निखारने और इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार है।

ऐसे खरीदें नाशपाती

कई बार लोग असली नाशपाती की पहचान नहीं कर पाते। वे बाबू गोशा और जंगली नाशपाती में भ्रमित हो जाते हैं। सच तो यह है कि बाबू गोशा में तो गुण होते भी हैं, जंगली नाशपाती में बहुत ही कम गुण होते हैं। कुछ लोगों को जंगली नाशपाती खाने से सेहत का नुकसान हो सकता है क्योंकि इससे अपच की समस्या हो जाती है।

पहचानें ऐसे

- नाशपाती पीली या हरी होती है। स्वाद थोड़ी खट्टी-मीठी होती है।
- इसकी बनावट हल्की दरदरी होती है। आकार में थोड़ी बेलनाकर होती है।
- वहीं बाबू गोशा गोल और थोड़ा छोटा होता है जबकि जंगली नाशपाती छोटी और खुरदरी होती है।

कब और कैसे खाएं नाशपाती

इसे ब्रेकफस्ट के साथ ले सकते हैं। ब्रेकफस्ट और लंच के बीच या फिर स्नैक्स के रूप में भी खा सकते हैं।

ताजा खाएं (धोकर, छिलके सहित): यह तरीका सबसे बढ़िया है, पर यह ध्यान रहे कि इसे अच्छी तरह धो लें। हाथों से हल्का-हल्का रगड़ते हुए धोएं। कई बार नाशपाती में मिट्टी, बैक्टीरिया आदि लगा रहता है। इससे इन्फेक्शन का खतरा हो सकता है। पानी की धार में धोने के बाद इसे RO के पानी से धोना चाहिए। यह ध्यान रखें कि अगर इसके टुकड़े करके खा रहे हैं तो इसे काटने के बाद न धोएं। इससे काफी मात्रा में विटामिन-C मिलता है और यह विटामिन पानी में घुलन जाता है। इसलिए काटकर धोने से इस विटामिन का नुकसान हो जाता है।

नाशपाती स्मूदी या फ्रूट सलाद में: कई लोग छिलके सहित बिना नमक और मसाले के नाशपाती नहीं खा पाते। ऐसे में वे फ्रूट सलाद के रूप में नाशपाती खा सकते हैं यानी दूसरे मौसमी फलों के साथ इसे लें।

हल्का स्टीम या ग्रिल करके: हल्का स्टीम करना उन लोगों के लिए सही रहता है जिन्हें चबाने में समस्या होती है। जब दांत और मसूड़े कमजोर हो जाते हैं तो ऐसे फलों को चबाना मुश्किल होता है।

कौन कम खाए या न खाए?

सर्दी-खांसी में: अगर किसी को सर्दी-जुकाम हो तो नाशपाती खाने से बचना चाहिए। अगर गले में खराश है तो यह खराश बढ़ा सकती है।

गैस्ट्रिक सेंसिटिव लोग: कई लोगों को पाचन संबंधी परेशानी होती है। उनका पाचन तंत्र जरा भी उलटफेर बर्दाश्त नहीं कर पाता। नाशपाती में FODMAPs (Fructans and other fermentable sugars) मौजूद होता है। इस वजह से कुछ लोगों को गैस, डकार या पेट फूलने जैसी परेशानी हो सकती है।

दस्त या लूज मोशन: कच्ची नाशपाती या ज्यादा मात्रा में खाने से लूज मोशन की परेशानी हो सकती है या फिर दस्त या लूज मोशन हो तो नाशपाती खाने से बचना चाहिए।

नाशपाती में क्या-क्या?

पोषक तत्व	100gm में	फायदा
कैलोरी	57 kcal	आसानी से पचने वाला
फाइबर	3.1 gm	कोलेस्ट्रॉल काबू करने में
विटामिन-C	4.3 mg	इम्यूनिटी बढ़ाता है।
पोटैशियम	119 mg	बीपी बैलेंस करने वाला
कॉपर	0.08 mg	हड्डियों, नसों के लिए
विटामिन-K	7 माइक्रोग्राम	हड्डियों, खून के लिए अहम
फोलेट	7 mg	प्रेग्नेंसी के दौरान फायदेमंद

एक दिन में कितनी खाएं?

बच्चे (5-12 साल)
आधी से 1 नाशपाती (100 ग्राम) छीलकर, छोटे टुकड़ों मे। कई तरह के विटामिन मिलते है।

युवा (13-40 साल)
1-2 नाशपाती (150-200 ग्राम) सुबह या नाश्ते के साथ बढ़िया

प्रौढ़ (40+ साल)
1 बड़ी नाशपाती (150 ग्राम) कब्ज और एसिडिटी मे खासतौर पर फायदेमंद

डायबीटिक पेशंट
1-2 छोटी नाशपाती (100-120 ग्राम) फाइबर ज्यादा मिलता है।

कौन-सी किस्म बेहतर?

वैसे तो हर किस्म की अपनी खासियत है। हर किस्म में पोषक तत्वों की मौजूदगी में थोड़ा ही फर्क होता है। अपने देश में देसी किस्म की नाशपाती ही ज्यादा मिलती है। इसका स्वाद थोड़ा कसैला होता है। यह अगर अच्छी तरह पकी हो तो कसैलापन कम हो जाता है। इसके अलावा बार्टलेट, चाइना नाशपाती की किस्में भी मिलती है।

आयुर्वेद में नाशपाती

आयुर्वेदिक ग्रंथों में नाशपाती को अमृत फल कहा गया है और इसे अमरता का फल माना जाता है। यह फल त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) को शांत करता है और पाचन, हृदय और त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसे शीतल रसयुक्त फल के अंतर्गत माना गया है। इसे मधुर फल भी कहते हैं। यूनानी चिकित्सा में इसे अर्ज नाशपाती कहा गया है। इसकी तासीर शीतल होती है। यह पित्त और वात दोष को शांत करने में सहायक है। यह मोटापा कम करने में भी मददगार है। इसके अलावा नाशपाती को दिल के लिए फायदेमंद बताया गया है। नाशपाती के पत्तों का पेस्ट घाव पर लगाने से भी फायदा होता है। इससे घाव जल्दी भरता है।

आम है खास फल

आम के बिना फलों की चर्चा करना ही बेकार है। आम के मौसम में दूसरे फलों की बात कम होती है। हालांकि यहां जामुन और नाशपाती के बारे में पहले बताया है, पर आम की बात किए बिना इस मौसम के फलों की चर्चा पूरी ही नहीं हो सकती। यह भी सच है कि इसकी मात्रा सही हो, सही वक्त पर खाया जाए, इन बातों पर ध्यान देना भी अहम है। अगर इसे सही, संतुलित और संयमित तरीके से खाएं तो बहुत फायदे लिए जा सकते हैं। लेकिन कुछ आम गलतियां भी हैं, जो लोग इसे खाते समय करते हैं। उदाहरण के लिए, कई लोग भरपेट भोजन करने के बाद ऊपर से 1-2 आम खा लेते हैं, जो पाचन के लिहाज से ठीक नहीं है। अगर आम खाना चाहते हैं तो हर आम के बदले एक चपाती या चावल की मात्रा कम कर सकते है। इससे शरीर में कैलोरी का संतुलन बना रहता है। वैसे इस बात का खास ख्याल शुगर मरीज और वजन कम करने वाले लोगों को करना चाहिए। आम में मौजूद ऐंटिऑक्सीडेंट मैंगिफेरिन सूजन कम करने में मदद करता है। इसके अलावा फोलेट प्रेग्नेंसी के दौरान फायदेमंद है।

कब और कैसे खाना चाहिए?

आम खाने का सबसे बढ़िया वक्त दोपहर के भोजन के बाद का है। आम को ब्रंच के रूप में ले सकते हैं। इसे सुबह खाली पेट लेने से बचना चाहिए। इससे एसिडिटी का खतरा बढ़ सकता है। शुगर पेशंट को हरगिज भी खाली पेट आम नहीं खाना चाहिए। इससे शुगर अचानक बढ़ सकता है। रात को भी खाने से बचना चाहिए। कई लोग दूध या दही के साथ आम खाते हैं। इन दोनों की तासीर अलग होती है। इसलिए पेट में गैस बनने का खतरा हो सकता है। इसके अलावा रैशेज की शिकायत भी हो सकती है।

ऐसे खरीदें आम

- देखें कि आम के ऊपर अम्लीय रस के दाग-धब्बे न हों।
- आम पर किसी रसायन के अलग-अलग सफेद या नीले निशान न हों।
- कई बार आम को इस तरह के केमिकल से पकाया जाता है जो सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। अगर आम पर समान रूप से सफेद पाउडर होगा तो वह कुदरती तरीके से पका होगा। हालांकि, इसे बहुत बारीकी से चेक करना पड़ेगा, लेकिन आप ऐसा करें क्योंकि हेल्थ के लिए यह बहुत जरूरी है।
- अमूमन आम को छूकर भी उसके पकने का अंदाजा लगाया जा सकता है। पका हुआ आम थोड़ा सॉफ्ट होता है। अधपका आम कहीं से सॉफ्ट और कहीं से ठोस होगा जबकि कच्चा आम पूरा ही ठोस होगा।
- दूसरा तरीका यह है कि आप आम को बिलकुल नीचे से अंगूठे से हल्का दबाकर देखें। पका हुआ आम छूने में सॉफ्ट लगेगा। इसके लिए आपको पूरे आम को दबाकर देखने की जरूरत नहीं है।
- राइपनिंग मेथड से पके आमों का रंग एक समान होगा क्योंकि ये एक समान तापमान में पकाए जाते हैं और खाने में काफी स्वादिष्ट और दिखने में खूबसूरत रंग के होते हैं।

आम में क्या-क्या?

पोषक तत्व	100 gm में	फायदा
कैलरी	60–70	फौरन एनर्जी देने वाला
कार्बोहाइड्रेट	14–16 gm	नेचरल सोर्स
फाइबर	1.5–2 gm	पाचन सुधार, कब्ज में राहत
विटामिन-C	35–40 mg	इम्यूनिटी मजबूत और स्किन ग्लो
विटामिन-A	50–60mcg	आंखों की रोशनी तेज
पोटैशियम	150–170mg	हार्ट और मसल्स के लिए फायदेमंद ऐंटिऑक्सीडेंट मैंगिफेरिन सूजन कम करने में मददगार

एक दिन में कितना खाएं आम?

बच्चे	युवा	प्रौढ़
(2–12 साल) 1/2 से 1 छोटा आम	(13–40 साल) 1 से 2 आम भोजन के साथ या बाद	(40 साल से ऊपर) 1 से डेढ़ आम दिन में एक बार।

डायबीटिक पेशंट 1/2 आम, सप्ताह मे 2–3 बार (डॉक्टर की सलाह से)

आयुर्वेद में आम

आम (आम्रफलम्) को बहुत मूल्यवान फल माना गया है। इसे फलों का राजा सिर्फ स्वाद या लोकप्रियता के कारण नहीं बल्कि पौष्टिक, औषधीय और दोष-शामक गुणों के कारण भी कहा गया है। आयुर्वेद में आम के फल, बीज, छाल और यहां तक कि पत्ते तक का उपयोग अलग-अलग रोगों में किया गया है। इसकी चर्चा चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, भावप्रकाश निघंटु, राज निघंटु आदि में मिलती है। कच्चा आम स्वाद में कषाय (कसैला) और अम्ल (खट्टा), सुगंधित व गले के रोगों में फायदेमंद व भूख बढ़ाने वाला होता है। यह पित्त, वात और कफ को बढ़ाने वाला होता है। इसके कई फायदे हैं।

आयुर्वेद के ग्रंथ राज निघंटु में तीन तरह के आम बताए गए हैं:

1. **राजाम्र:** राजा के लिए उपयुक्त आम। इसकी गुणवत्ता बेहतरीन होती है। यह तीनों दोषों (वात, पित्त और कफ) को संतुलित करता है। दशहरी, फजली इस कैटिगरी में आ सकते हैं। जहां तक कीमत की बात है तो ये अमूमन दूसरे आमों की तुलना में कुछ सस्ते होते हैं।
2. **महाराजाम्र:** राजा के समान आम। सीधे शब्दों में कहें तो सबसे बढ़िया। यह वीर्यवर्धक, तृप्तिकारक लेकिन ज्यादा मात्रा में लेने पर कफ और पित्त बढ़ा सकता है। यह आम अच्छी प्रजाति (जैसे अल्फांसो, केसर, मल्लिका) से संबंधित माना जा सकता है।
3. **रसालाम्र:** यह रस से भरपूर रसीला, गूदेदार और स्वादिष्ट होता है। अगर इसे सही मात्रा में लिया जाए तो बल, पाचन और त्वचा के लिए फायदेमंद है। ज्यादा लेने से दस्त या पित्त विकार हो सकते हैं। चौसा, मालदा, तोतापरी आम इस ग्रुप में शामिल हैं।

आम खाने से पहले | आम खाने से पहले अगर उसे 1 से 4 घंटे के लिए पानी में डालकर छोड़ दिया जाए और इसके बाद खाएं तो उसमें मौजूद उस केमिकल का असर जो उसे पकाते समय इस्तेमाल हुआ था, कम हो जाता है। इससे रैशेज की आशंका भी कम हो जाती है।

ट्रिपल आइटी के चौथे दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश की मौजूदा शिक्षा प्रणाली पर गहरी चिंता जताई, कहा...

'छात्रों को रटाना, उन्हें रोबोट में बदलने जैसा'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश की मौजूदा शिक्षा प्रणाली पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि डिग्रियां नहीं, दृष्टि मायने रखती है। रट्टामार शिक्षा संस्कृति आज हमारी सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। उन्होंने कहा, 'छात्रों को रटाना उन्हें रोबोट में बदलने जैसा है। यह न केवल शिक्षा बल्कि हमारी संस्कृति के लिए भी घातक है। रटने से डिग्रियां तो मिलती हैं, लेकिन जीवन में सफलता का आधार विचारशीलता, चरित्र और दृष्टिकोण होते हैं, न कि केवल अंक और ग्रेड्स।' उपराष्ट्रपति धनखड़ रानपुर में आयोजित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आइटी) के चौथे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं।

समारोह की अध्यक्षता संस्थान के गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट ने की, जबकि निदेशक प्रो. एनपी पाढ़ी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विरुद्ध खड़े कोचिंग संस्थान

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कोचिंग संस्कृति पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि कोचिंग सेंटर अब प्रतिभाओं को मानसिक और शारीरिक बंधनों में बदल रहे हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है। अंकों की होड़ में सोचने की शक्ति कुंठित हो रही है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थान अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के विरुद्ध खड़े हैं और इन्हें नियंत्रित किया जाना आवश्यक है। सीटें सीमित है, लेकिन कोचिंग सेंटर हर गली-मोहल्ले में उग आए हैं। बरसों तक छात्रों की मानसिकता को एक ही ढर्रे में ढालना उनकी मौलिकता को खत्म करता है। उन्होंने यह भी कहा कि कोचिंग सेंटर अब पोचिंग सेंटर बन चुके हैं।

युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, यह एक ऐतिहासिक जनसांख्यिकीय अवसर है। युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। हम वह पीढ़ी हैं जो उस भारत में आगे बढ़ रही है, जो अब दुनिया का निवेश केंद्र बन चुका है। जल्द ही भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

कोटा शैक्षणिक राजधानी बन चुका- बागडे

अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा, 'दीक्षांत का अर्थ शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि व्यक्तित्व के संस्कारों की पूर्णता है।' बागडे ने कोटा की शिक्षा नगरी के रूप में भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि अब यह केवल औद्योगिक नहीं, शैक्षणिक राजधानी बन चुका है, जहां कोचिंग संस्थाओं के साथ उच्च तकनीकी संस्थानों की पहचान भी जुड़ गई है।

हर ग्राम पंचायत में खुलेंगे 'कस्टम हायरिंग सेंटर'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। राजस्थान सहित जिले के किसानों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी गांवों में खेती को मजबूत करने के लिए प्रदेश सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर खोलने का निर्णय किया है। अच्छी बात है कि इन सेंटर पर किसानों को वाजिब किराए पर खेती के लिए अत्याधुनिक उपकरण मुहैया करवाए जाएंगे। सबसे ज्यादा इस योजना का फायदा लघु और सीमांत किसान को होगा। सेंटर्स से अब महंगे कृषि यंत्रों को किराए पर लेकर आधुनिक तरीके से खेती कर सकेंगे। वहीं, कस्टम हायरिंग सेंटर खोलने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर खुली क्रय विक्रय सहकारी समिति और किसान समूह को प्राथमिकता दी जाएगी। जहां क्रय विक्रय समिति या किसान समूह नहीं बने हुए हैं वहां कोई भी शख्स सेंटर खोल कर आजीविका कमा सकेगा। कृषि विभाग के अनुसार सीकर जिले में करीब डेढ दर्जन कस्टम हायरिंग सेंटर ही है जबकि जिले में पौने तीन लाख से ज्यादा किसान सीधे तौर पर खेती से जुड़े हुए हैं।

किसानों को होगा फायदा

खेती की जोत घटने के कारण लघु व सीमांत किसानों के सामने बुवाई और थ्रेसिंग के समय अक्सर कृषि यंत्रों की कमी होने लगती है। जिससे किसान समय पर अपनी खेती नहीं कर पाते हैं और लागत बढ़ जाती है। कई बार तो बारिश जैसी प्राकृतिक आपदा के समय किसान को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। कस्टम हायरिंग सेंटर के जरिए इन किसानों को अब खेती किसानी के लिए लाखों की मशीनें खरीदने के बजाय कम किराए पर उपकरण मिल जाएंगे। जिससे खेती में आधुनिकता के साथ बुवाई-कटाई कर सकेंगे। वहीं मशीन के जरिए काम होने से खेती की लागत भी घट जाएगी।

राजस्थान में गोल्डन ओएस्टर मशरुम की एक नई प्रजाति की प्रथम रिपोर्ट

खादय एवं औषधीय गुणयुक्त ढींगरी मशरुम की नई प्रजाति गोल्डन ओएस्टर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के अधीन मशरुम अनुसन्धान निदेशालय चम्बाघाट सोलन, हिमाचल प्रदेश के दवारा मशरुम अनुसन्धान के अंतर्गत भारत के विभिन जलवायु क्षेत्रों के जंगलो, वन्य जीव अभ्यारणों एवं मरुस्थलों से खादय एवं औषधीय मशरुम के जर्मप्लास्म के संग्रहण एवं संरक्षण के अंतर्गत महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविधालय उदयपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित मशरुम अनुसन्धान परियोजना के दल ने राजस्थान के विभिन जंगलो, वन्य जीव अभ्यारणों एवं मरुस्थलों का जून से जुलाई 2025 में गहन सर्वेक्षण किया। जिसमे उदयपुर जिले के केशरियाजी तहसील के सागवाड़ापाल के जंगल में ढींगरी मशरुम की एक नई प्रजाति गोल्डन ओएस्टर मिली हे जिसका वैज्ञानिक नाम प्लूरोटस सिट्रिनोपिलेटस हे जो खादय एवं औषधीय गुणयुक्त है। अखिल भारतीय समन्वित मशरुम अनुसन्धान परियोजना के मुख्य वैज्ञानिक प्रोफेसर नारायण लाल मीना

ने बताया की इस प्रकार की गोल्डन ओएस्टर प्रजाति राजस्थान में प्रथम बार रिपोर्ट हुई हे इस मशरुम का रंग सोने के रंग जैसा होता है। इस मशरुम के कैप का परिमाप 18× 12 सेमी., कॉनकेट टाइप तथा तने का परिमाप 9×1.7 सेमी तथा एक फ्रेश मशरुम के गुच्छे का वजन 300 ग्राम दर्ज किया गया। यह पोषणीय एवं औषद्यीय गुणों के कारण अधिक महत्वपूर्ण है। इस मशरुम में प्रोटीन 31.7 प्रतिशत, रेशा लगभग 25.7 प्रतिशत तथा इसमें सेल्यूलोस, हेमिसेलुलोसे और स्टार्च की अच्छी मात्रा होती हे इसमें वसा की काम मात्रा 1 प्रतिशत व् लिग्निन भी पाया जाता है। इसमें सूक्षम पोषक तत्व, विभिन बायोएक्टिव योगिक जैसे पॉलिसैक्राइड,एमिनोएसिड, तथा अन्य लाभकारी पोषक तत्वो का भी अच्छा स्रोत है। एमिनोएसिड में ग्लुटामिन, एस्पार्टिक एसिड, विटामिन्स में विटामिन डी(अर्गोस्टेरॉल) पोटेशियम,फॉस्फोरस, मेग्नीशियम एवं एंटीऑक्सिडेंट्स में फिनॉल, फ्लेवेनॉयड्स जो की कोशिका को नष्ट होने से बचाता है। वसा अम्लों में असंतृप्तत वसा अमल विशेष रूप से पामिटिक, ओलिक,और लिनोलिक एसिड का भी अच्छा स्रोत है। गोल्डन ओएस्टर प्रजाति एक स्वस्थ आहार एवं औषद्यीय के लिए एक मूलयवान खाद्य मशरुम है। वर्तमान में इस मशरुम पर विस्त्रत अध्ययन के लिए अनुसन्धान प्रारम्भ कर दिया है।

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान में किसान -वैज्ञानिक संवाद आयोजित

अच्छी नस्ल से अच्छी फसल-डॉ तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अविकानगर। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर मे "किसान -वैज्ञानिक संवाद एवं राष्ट्रीय बकरी दिवस" मे 140 से ज्यादा महिला और पुरुष किसान के साथ संस्थान कार्मिक ने भाग लिया। इसमें निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर की अध्यक्षता मे यह कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमे उपस्थित किसानो से बकरी पालन के विभिन्न पहलुओं जैसे नस्ल सुधार, पोषण, स्वास्थ्य, चारा, दाना, आवास के साथ बेचने तक पर विस्तार से चर्चा अविकानगर कैंपस के वैज्ञानिको की टीम द्वारा किया गया।

साथ में निदेशक डॉ तोमर ने किसानो को प्रति पशु ज्यादा उत्पादन, एक पेड़ माँ के नाम, जैविक खेती, बेहतर नस्ल प्रबंधन, बाड़े मे सघन बकरी पालन के साथ "अच्छी नस्ल से अच्छी फसल" की महत्वता पर भी विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ सारथी मिश्रा अध्यक्ष पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन ने बताया की वर्तमान परिवेश के अनुसार बकरीपालन पर चर्चा करना आज के कार्यक्रम का उद्देश्य, जिसको मथुरा के बकरी संस्थान की सिरोही बकरी परियोजना द्वारा वित्तपोषित किया गया है। कार्यक्रम में अविकानगर के विभिन्न विभागो के अध्यक्ष डॉ रणधीर सिंह भट्ट, डॉ जी गणेश सोनावाणे, डॉ अजय कुमार, डॉ आर पी नागर,डॉ सत्यवीर सिंह डागी, डॉ अरविन्द, इंद्रभूषण कुमार के साथ विभिन्न विभाग के वैज्ञानिको डॉ सी पी स्वर्णकार, डॉ मेघा पांडे, डॉ अजित सिंह महला, डॉ कछ्वा, डॉ ओमहरी चतुर्वेदी, डॉ पी के मलिक ने भी सवालों के जवाब दिए। कार्यक्रम मे पधारे किसान को वर्तमान मे राष्ट्रीय पशुधन मिशन की मांग अनुसार अपने बकरी पालन को करते हुई अधिक मुनाफा के लिए आवश्यक जानकारी कार्यक्रम मे दी गई। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ अमरसिंह मीना एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजीव कुमार द्वारा दिया गया।

पत्रकार पर हमले के आरोपियों पर कार्रवाई, पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करें सरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जालौर। माउंट आबू में पत्रकार हरिपाल सिंह के साथ एक जुलाई को हुए मारपीट के घटनाक्रम को लेकर प्रदेश के अग्रणी पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे ने आक्रोशित रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री के नाम समस्त जिलों में जिला कलेक्टर को चेतावनी स्वरूप ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है।

उसी क्रम में जालौर जिला इकाई ने जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों का साथ लेते हुए ज्ञापन सौंपकर पुरजोर मांग रखी की पत्रकार पर हमले के आरोपियों व इस प्रकरण में लिप्त अन्य अधिकारियों जिनकी शह पर यह कृत्य किया गया था। उनपर शीघ्र अतिशीघ्र कड़ी से कड़ी व संतुष्टिप्रद कार्रवाई करें। साथ ही आई एफ डब्ल्यू जे संगठन की प्रमुख मांग पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू करने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव लाए। संगठन की प्रदेश इकाई द्वारा लिए गए निर्णयानुसार यदि जिला स्तरीय ज्ञापनों पर भी राज्य सरकार पत्रकार के साथ मारपीट की इस घटना को गंभीरता से नहीं लेती है तो राजधानी जयपुर में संगठन के आव्हान पर हजारों की संख्या में पत्रकार व विभिन्न सामाजिक संगठन एकत्रित होकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा करेंगे, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी फिर राज्य सरकार की ही होगी ।

वेदांता लिमिटेड की 60वीं वार्षिक आमसभा

वेदांता की 3डी रणनीति से कंपनी को दोगुना करने का लक्ष्य

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। वेदांता लिमिटेड की 60वीं वार्षिक आमसभा में कंपनी के विकास के अगले चरण के बारे में बताते हुए वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कंपनी का आकार दोगुना करने के लिए खास 3डी रणनीति, डीमर्जर, डायवर्सिफिकेशन और डीलीवरेजिंग की जानकारी दी। डी-मर्जर वेदांता अपनी कुछ इकाइयों को अलग-अलग कंपनियों में बांटेगी. अनिल अग्रवाल का कहना है कि डी-मर्जर के बाद इनमें से हर एक बिजनेस में 100 बिलियन डॉलर यासिन लगभग ?8,35,000 करोड की कंपनी बनने की क्षमता है., इससे इन बिजनेस पर बेहतर ध्यान दिया जा सकेगा और वे तेजी से बढ़ पाएंगे। इस बदलाव की योजना पर विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि वेदांता की मजबूत आर्थिक स्थिति, शेयरधारकों को मिला रिकॉर्ड रिटर्न और महत्वपूर्ण खनिजों व ऊर्जा बदलाव में काम आने वाली धातुओं का बढ़ता पोर्टफोलियो, ये सभी भारत के आर्थिक और ऊर्जा से जुड़े लक्ष्यों के साथ जुड़े हुए हैं।

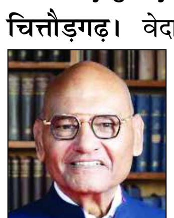

डाइवर्सिफिकेशन वेदांता अब सिर्फ अपने मौजूदा कारोबार पर ही ध्यान नहीं देगी, बल्कि नए क्षेत्रों में भी कदम रखेगी. कंपनी की योजना महत्वपूर्ण खनिजों, दुर्लभ धातुओं (रेअर अर्थ), ऊर्जा बदलाव में काम आने वाली धातुओं, बिजली, ऊर्जा और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में नए निवेश करके अपना कारोबार बढ़ाने की है इससे कंपनी की आय के स्रोत बढ़ेंगे और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। डी-लीवरेजिंग से कंपनी अपनी वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने के लिए कर्ज कम करने पर ध्यान देगी,इससे कंपनी को भविष्य के निवेश और विकास के लिए अधिक मजबूती मिलेगी।

भारत के लक्ष्यों से जुड़ा वेदांता का विकास

वेदांता का यह विकास प्लान भारत की आर्थिक और ऊर्जा जरूरतों के साथ जुड़ा हुआ है. कंपनी भारत की पहली औद्योगिक जिंक और एल्यूमीनियम पार्क स्थापित करने की भी योजना बना रही है. इसके साथ ही, वेदांता ने 1000 डीप-टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने की घोषणा की है, जिससे भारत के टेक्नोलॉजी सेक्टर को भी गति मिलेगी। कंपनी ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों को रिकॉर्ड रिटर्न और महत्वपूर्ण खनिजों के बढ़ते पोर्टफोलियो के साथ यह नई रणनीति बनाई है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दुनिया रिसोर्स नेशनलिज्म देख रही है, अनिल अग्रवाल ने भारत के आर्थिक भविष्य के लिए प्राकृतिक संसाधनों की केंद्रीय भूमिका और उनके महत्व पर खास ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि ये संसाधन खासकर इलेक्ट्रिक वाहन और रिन्यूएबल एनर्जी जैसी ऊर्जा परिवर्तन तकनीकों के साथ-साथ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी कितने जरूरी हैं। अग्रवाल ने कहा कि भारत की भूवैज्ञानिक बनावट कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे संसाधन-समृद्ध देशों के समान है, लेकिन भारत में केवल 25 प्रतिशत ही खोजबीन हुई है. उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में तेजी से विकास का यह सही समय है। उन्होंने कहा कि, यह सिर्फ विकास की नहीं, भारत की आकांक्षाओं को साकार करने की योजना है, हम एक विकसित भारत की जरूरतों के साथ पूरी तरह से जुड़े हुए हैं। वेदांता इस बड़े बदलाव का नेतृत्व करने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है।

सुकेश सिरोही जिला अध्यक्ष मनोनीत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। राजस्थान प्रदेश में लगभग 70 लाख की आबादी में अग्रवाल समाजजन निवास करते हैं, लेकिन हम एक नहीं है इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे तथा हमारे समाज को संगठित होकर मजबूत बनने का कार्य करना होगा। हमारी ख़ामोशी का दुसरे समाज उठा रहे है फायदा। यह वक्तव्य पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष के के गुप्ता ने समाज की सिरोही जिला स्तरीय बैठक में व्यक्त किया है। गुप्ता ने कहा कि हमारा अग्रवाल समाज प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सबसे महत्वपूर्ण इकाई है लेकिन राजनीतिक दृष्टिकोण से आज भी समाज बहुत पीछे चल रहा है। अग्रवाल समाज के व्यक्ति को अपने-अपने क्षेत्र में किसी भी स्तर के होने वाले सार्वजनिक लोकतांत्रिक चुनाव में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। बैठक में समाज सेवी सुकेत गोयल सुपुत्र अचलेश्वर प्रसाद गोयल निवासी आबू रोड को अग्रवाल समाज जिला सिरोही के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पाठ्यक्रम में बच्चे पढ़ेंगे रणथंभौर की कहानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्राथमिक शिक्षा में कई बुनियादी बदलाव किए गए हैं। इसके तहत इस सत्र से कक्षा 1 से 5 तक का पाठ्यक्रम का नया स्वरूप सामने आया है। इसमें बच्चों के समग्र बौद्धिक, सामाजिक एवं भाषाई विकास को ध्यान में रखते हुए स्थानीयता और प्रासंगिकता को केंद्रित कर स्थान दिया गया है। शिक्षक गजेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि कक्षा 4 की अंग्रेजी पुस्तक में ए विजिट टू सेंचुरी नामक पाठ के माध्यम से बच्चों को रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा पर ले जाया गया है। इस पाठ में जंगल सफारी, जोगी महल, टाइगर, सांभर, नीलगाय जैसे जीव-जंतुओं का चित्रात्मक और संवादात्मक उल्लेख किया गया है, जिससे बच्चों को पर्यावरणीय चेतना अनुभव के स्तर पर मिल सके।

सामाजिक एवं भाषाई विकास के लिए पहल

नई पुस्तकों में अब टॉम और अल्बर्ट जैसे पात्रों की जगह भाग्यश्री, कविता, सरिता जैसे नाम शामिल किए गए हैं। यह परिवर्तन बच्चों को पाठों से भावनात्मक रूप से जोड़ने और भाषा को अधिक आत्मीय रूप से समझने की दिशा में एक प्रयास है। कक्षा 3 की अंग्रेजी पुस्तक में राजस्थान की पारंपरिक मिठाइयां घेवर, फीणी, जलेबी, बेसन चक्की और व्यंजन दाल-बाटी-चूरमा जैसे परिचित संदर्भ दिए गए हैं। इसके साथ ही मक्का, बाजरा, गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के चित्र अंग्रेजी नामों सहित शामिल किए गए हैं, ताकि बच्चे अपने अनुभवों को अंग्रेजी से जोड़ सकें। माखन लाल चतुर्वेदी की सुप्रसिद्ध रचना पुष्प की अभिलाषा को अब बच्चे अंग्रेजी में 'ए लॉवर ''स विश' में पढ़ेंगे।

MADHAV UNIVERSITY
Dedicated to Excellence
RCI Registered Courses
DEPARTMENT OF CLINICAL PSYCHOLOGY
Notification (2025-2026)
M. PHIL (Clinical Psychology)
PGDRP (Rehabilitation Psychology)
ADMISSIONS SESSION 2025-26 Entrance Test
For Aspiring Clinical Psychologists & Rehabilitation Professionals
Entrance Fee: Rs. 1500/-
Application are invited for vacant seats
Last Date for Applying: 20th JULY, 2025
Entrance Test: 27th JULY, 2025
Interview Date: 28th JULY, 2025
Assistant Professor +91 9016183510 devyanibarodh@madhavuniversity.edu.in
"Results will be uploaded on the official website on the same day".
LEARN MORE www.madhavuniversity.edu.in +91 88750 28991-94
NH-27, Abu Road, Distt.-Sirohi (Rajasthan)

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?
देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...
Natural Immunity Booster
Kabira
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil
Wood Pressed
FORTIFIED
100% VEG.
COLD PRESSED
KOSHER
Approved by WHO GMP
one of the OLDEST OIL known to HUMAN
स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।
- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छ: हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।
Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

For Award Details : Contact 98290-50738
To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
★ In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

Beena Shiksha Samiti
Sec. School
Knowledge is Power
RBSE Pattern Affiliated From Raj. Govt.
English / Hindi Medium Nursery to Xth
Admission OPEN
NO ADMISSION FEE NO TRANSPORT FEE
SALIENT FEATURES
- WORLD-CLASS INFRASTRUCTURE.
- LEARNING ENVIRONMENT.
- EXPERIENCED FACULTY.
- PARENT-TEACHER PARTNERSHIP.
- SPACIOUS PLAYGROUND.
- 100% SUPPORT AND SECURITY OF THE CHILD.
- SPLASH POOL FOR KIDS.
- AIR CONDITIONED CLASS ROOMS.
- FLEET LUXURY BUSES.
Age 18 Months & Above

Maruti Colony, Sheopur Road, Sanganer, Jaipur
Call us at : +91 9636768752 7790812485

कै. वैद्यराज श्री. कृष्णशास्त्री पुराणिक (१८३९-१९०५)
कै. वैद्यराज श्री. विष्णुशास्त्री पुराणिक (१८६४-१९१४)
कै. वैद्यराज श्री. रामभाऊ पुराणिक (१८८३-१९३३)
कै. वैद्यराज श्रीमंत गंगाधर पुराणिक (१९०७-१९८०)
कै. वैद्यराज श्री. महादेव पुराणिक (१९१२-१९८७)
कै. श्री. आनंद पुराणिक (१९३७-२०२३)

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

आयुर्वेद का निरंतर अभ्यास,
हर पीढ़ी का विश्वास!

अभ्यासात्प्राप्यते दृष्टिः कर्मसिद्धिप्रकाशिनी।
रत्नादिसदसज्ज्ञानं न शास्त्रादेव जायते।।
- अष्टांगहृदय (६वी सदी)

शास्त्र के अभ्यास से दृष्टि, तो कर्म से सिद्धि प्राप्त होती है।
१५० से अधिक वर्षों की परंपरा से संस्कारित एवं संपन्न,
सर्वोत्कृष्ट गुणवत्ता के आयुर्वेद औषधियों के निर्माता
श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड

आयुर्वेद चिकित्सकों की विश्वसनीय औषधियाँ
उत्तम गुणवत्ता की ३५० से अधिक आयुर्वेद दवाईयाँ

Corporate Advt F25FDAd 32.9x25H471

अधिकृत वेबसाइट के लिए स्कैन करें
Mfd. by: OM PHARMACEUTICALS LTD. 12th Mile, Old Madras Road, Bengaluru - 560049, INDIA | Office of Cunsumer Care Desk & Mktd. by (TM Owner) & Office of Consumer Care Desk:
SHREE DHOOTAPAPESHWAR LTD. 135, Nanubhai Desai Rd., Khetwadi, Mumbai-400004. Tel.: +91-22-23829874 (Mon to Fri from 10 am to 5 pm, except holidays) E-mail: healthcare@sdlindia.com
Follow us on: sdlconsumerayurved www.sdlindia.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

माधव विवि के खिलाफ भ्रामक खबरें फैलाने की कोशिश निंदनीय

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया पूरी तरह से बेबुनियाद, असत्य एवं विधिक रूप से झूठी हैं ये अफवाहें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाल ही में सोशल मीडिया और विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप्स पर फैल रही उन भ्रामक खबरों पर कड़ा संज्ञान लिया है, जिनमें विश्वविद्यालय के खिलाफ झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। प्रशासन ने इन खबरों को पूरी तरह से मनगढ़ंत, असत्य, तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण बताया है और स्पष्ट किया है कि इनका उद्देश्य केवल विश्वविद्यालय की छवि को नुकसान पहुंचाना तथा आम जनता, विशेषकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को गुमराह करना है।

प्रशासन का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से विश्वविद्यालय को ब्लैकमेल करने की नीयत से सोशल मीडिया का दुरुपयोग करते हुए झूठी सूचनाओं का प्रसार किया जा रहा है, जो कि न केवल नैतिक रूप से गलत है बल्कि कानूनन भी दंडनीय अपराध है।

विश्वविद्यालय पर कोई जांच या प्रकरण लम्बित नहीं

माधव विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह साफ किया है कि वर्तमान समय में संस्थान के विरुद्ध किसी भी प्रकार की जांच/प्रकरण लंबित नहीं है। विश्वविद्यालय वर्ष 2014 से विधिवत रूप से उच्च शिक्षा की दिशा में कार्यरत है और भारत सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के सभी नियामक दिशा-निर्देशों का पालन कर रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रम यूजीसी, राज्य सरकार, एनसीएच, आयुष, आइएनसी, आरपीएमसी, आरसीआई, पीसीआई, एनसीटीई, बीसीआई व एनसीवीटी से मान्यता प्राप्त है। अब तक हजारों विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय से डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. जैसे कार्यक्रमों में अध्ययन कर सफलता प्राप्त की है, जिनमें से अनेक विद्यार्थी देश-विदेश में प्रतिष्ठित संस्थानों एवं सेवाओं में कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानकारी दी कि सभी विद्यार्थियों का शैक्षणिक रिकॉर्ड भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अधिकृत नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल पर वर्ष 2014 से लगातार अपलोड किया जा रहा है, विश्वविद्यालय के आज दिनांक तक के सभी शोधार्थियों का सम्पूर्ण शैक्षणिक रिकॉर्ड भारत सरकार, इनफ्लिनेट के शोध गंगा पोर्टल पर अपलोड है और यह जानकारी सार्वजनिक रूप से कभी भी सत्यापित की जा सकती है। यह पारदर्शिता माधव विश्वविद्यालय की नीतियों और शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि भ्रामक और अपमानजनक सूचनाएं प्रसारित करने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और उनके विरुद्ध संबंधित कानूनी धाराओं के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। विश्वविद्यालय किसी भी प्रकार के झूठे प्रचार और संस्थागत छवि को धूमिल करने की कोशिश को सहन नहीं करेगा। विश्वविद्यालय ने अभिभावकों, विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों एवं जनसामान्य से अपील की है कि वे सोशल मीडिया या अन्य गैर-सरकारी माध्यमों से प्राप्त किसी भी भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें। विश्वविद्यालय की अधिकृत वेबसाइट, कार्यालय या अधिसूचित सूचनाओं के माध्यम से ही जानकारी प्राप्त करें।

मूल पहचान की पुनर्स्थापना के लिए समाज को आगे आना होगा-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। विश्व में अग्रवाल समाज की सशक्त संगठन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार

मित्तल (अग्रवाल) एवं अग्रसेन प्रचार समिति, छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांतीय चेयरमैन - जगदीश प्रसाद अग्रवाल बिलहा ने अग्रवाल समाज का एतिहासिक विश्लेषण करते हुए, भारत एवं विश्व के समस्त अग्र बंधुओं से अपनी मूल पहचान की पुनर्स्थापना हेतु समाज हित में अपनी अपील की है। हजारों वर्षों पूर्व हमारे पूर्वज, लोकनायक, युगपुरुष महाराजा अग्रसेन जी ने अपने 18 पुत्रों के माध्यम से "अग्रवंश" की नींव रखी। उन्होंने हमें अपनी धार्मिक परंपराओं, सामाजिक मूल्यों एवं अद्वितीय संगठनात्मक संस्कृति से समृद्ध "अग्रवाल जाति" का वह वट वृक्ष सौंपा - जिसकी शाखाएं, पत्तियां भले विस्तृत हों, पर मूल एक ही था - "अग्रवाल",हमने अपने पुरुषार्थ, परिश्रम एवं दूरदर्शिता से व्यापार, उद्योग व सेवा क्षेत्रों में अतुलनीय सफलता पाई। हमने कुएं-बावड़ी, धर्मशालाएं, पाठशालाएं, अस्पताल, मंदिर आदि बना कर समाज सेवा को वरीयता दी। परंतु इस सबके बीच हम एक मूलभूत भूल कर बैठे और अपनी ही मूल पहचान "अग्रवाल" को ही भुला बैठे। जैसे-हमने अपने 18 गोत्र (गर्ग,गोयल, मित्तल, जिंदल ,बंसल,बिंदल, आदि) को ही उपनाम बना कर "अग्रवाल" का प्रयोग छोड़ दिया।फिर हमने अपने पुरखों के ग्राम, कस्बों व नगरों (केडिया, सिंघानिया आदि) को उपनाम बनाकर, गोत्र और जाति दोनों को धूमिल कर दिया। इसके बाद हमने अपने व्यवसाय या उपाधि (बजाज, सराफ, चौधरी आदि) को पहचान बना लिया, जिससे हमारी "अग्रवाल" जाति की छवि और भी अधिक बिखरती चली गई। उक्त भूलों के परिणाम स्वरूप आज, जब भारत में जातिगत जनगणना व सामाजिक योजनाएं एक सशक्त आधार बन चुकी हैं, तब भारत की समस्त जातियों की सूची में "अग्रवाल जाति" नाम से हमारा कोई अस्तित्व ही नहीं है। हम अब भी बनिया, वैश्य, मारवाड़ी जैसी व्यापक व अस्थिर श्रेणियों में दर्ज हैं। यह हमारी पहचान का स्पष्ट लोप है और हमारे गौरवशाली इतिहास का मौन विलयन है।

अब समय आ गया है कि हम समवेत स्वर में, संगठित हो कर, अपनी वास्तविक, गौरवशाली पहचान "अग्रवाल" को पुनः आत्मसात करें। अब आगे से अपने प्रत्येक दस्तावेज, पत्राचार, आवेदन पत्र, प्रोफ़ाइल, परिचय आदि में उपनाम चाहे जो भी हो -- अंतिम नाम "अग्रवाल" ही लिखें। यही एकमात्र मार्ग है, जिससे -- हमारी संख्या का सटीक मूल्यांकन संभव हो सकेगा।

हमें योजनाओं, सुविधाओं व मान्यता में समुचित भागीदारी मिल सकेगी। और "अग्रवाल" नाम पुनः राष्ट्रीय मंच पर सम्मान के साथ स्थापित हो सकेगा। हमें ज्ञात है कि कई अग्र बंधुओं ने अपने उपनामों के आधार पर सरकारी दस्तावेज, लाइसेंस, प्रमाण पत्र आदि बनवाए हैं। ऐसी स्थिति में निम्न प्रक्रिया अपना सकते हैं। यथा -- रोहितास मित्तल = रोहितास मित्तल (अग्रवाल) तथा सीमा सिंघानिया = सीमा सिंघानिया (अग्रवाल) आइए! आज हम सब मिल कर संकल्प लें, कि महाराजा अग्रसेन जी की इस महान विरासत को संजोएंगे, अपने नाम में "अग्रवाल" जोड़ कर, अपनी पहचान को पुनः स्थापित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों को संगठित, सम्मानित और सशक्त समाज की नींव सौंपेंगे। यही हमारी एकता का परिचायक, गौरव का प्रतीक एवं समृद्धि की कुंजी साबित होगा।

अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे आयरन स्क्रैप पर एसजीएसटी की कार्यवाही, 10 ट्रक जब्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य वस्तु एवं सेवा कर (SGST) विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना ई-वे बिल के अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे आयरन स्क्रैप से भरे 10 ट्रकों को जब्त किया है। यह कार्यवाही शासन सचिव वित (राजस्व) एवं मुख्य आयुक्त वाणिज्यिक कर विभाग कुमार पाल गौतम के निर्देशानुसार राज्य प्रवर्तन शाखा द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान के अंतर्गत की गई। प्रवर्तन शाखा ने विभिन्न टीमों का गठन कर राज्य के कई क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की, जिसके दौरान इन ट्रकों को पकड़ा गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह स्क्रैप विभिन्न सरिया निर्माण इकाइयों में उपयोग हेतु भेजा जा रहा था, किंतु इसका परिवहन बिना वैध दस्तावेजों एवं ई-वे बिल के किया जा रहा था, जो कि GST अधिनियम का उल्लंघन है।

लगातार मिल रहीं थी गुप्त सूचनाएं

राज्य जीएसटी विभाग को पिछले कुछ समय से आयरन स्क्रैप के अवैध परिवहन एवं कर चोरी की लगातार सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर विभाग द्वारा योजना बनाकर यह कार्रवाई की गई।

जांच जारी, और खुलासे संभव

फिलहाल प्रवर्तन शाखा द्वारा ट्रकों में लदे माल के वास्तविक मालिकों की तथा यह स्क्रैप किस स्थान पर डिलीवर किया जाना था, इसकी जांच की जा रही है। जांच के दौरान बड़े पैमाने पर कर चोरी के और भी मामले उजागर होने की संभावना है। शासन सचिव एवं मुख्य आयुक्त गौतम ने कहा है कि कर कानूनों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी और प्रदेश में कर चोरी पर पूर्ण नियंत्रण के लिए वाणिज्यिक कर विभाग पूरी तरह से प्रतिबद्ध हो कर कार्य कर रहा है।

बीकानेर हाउस में होगा तीजोत्सव और हस्तशिल्प मेला का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। नई दिल्ली के बीकानेर हाऊस परिसर में 23 से 30 जुलाई तक तीजोत्सव और हस्तशिल्प मेला का आयोजन किया जा रहा है । इस उपलक्ष्य में बीकानेर हाऊस में राजस्थान के प्रसिद्ध हस्तशिल्प कलात्मक उत्पादों एवं प्रसिद्ध व्यंजनों की स्टॉल्स लगायी जाएगी । मेले का उदघाटन मुख्य सचिव सुधांश पंत करेंगे। इस तीजोत्सव के दौरान 24 जुलाई को मेहँदी प्रतियोगिता, राजस्थानी लोक गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता एवं राजस्थानी परिधान में रैम्प वॉक प्रतियोगिता का आयोजन होगा इसके लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 21 जुलाई रखी गई है।

हरियालो राजस्थान" सन होटल एंड रिज़ॉर्ट, में किया वृक्षारोपण

आबू रोड @ जागरूक जनता। राजस्थान सरकार की महत्वपूर्ण योजना "हरियालो राजस्थान" के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रभावशाली पहल करते हुए सन होटल एंड रिज़ॉर्ट, मावल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्र म का आयोजन किया गया। इस प्रयास में होटल परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र में कुल 3000 पौधे रोपे गए, जिनमें प्रमुख रूप से नीम, अमलतास आम, अमरूद और मौसमी जैसी छायादार एवं फलदार प्रजातियाँ शामिल हैं। मुख्य उद्देश्य पर्यावरणीय असंतुलन को कम करना, हरियाली को बढ़ावा देना और भावी पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण उपलब्ध कराना हैं।

यह आयोजन न केवल क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को संवारने की दिशा में एक कदम है, बल्कि जनमानस में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का भी एक सार्थक प्रयास हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय पर्यावरण कार्यालय से बेराराम जी सिहाग , रीजनल अधिकारी तथा शंकर बिश्नोई ने पोधारोपण कर उपस्थिति दर्ज कराई और वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। सन होटल एंड रिज़ॉर्ट के वाइस प्रेसिडेंट अजय पुंज तथा उनकी संपूर्ण टीम ने सक्रि य भागीदारी निभाई। सभी ने स्वयं अपने हाथों से पौधारोपण किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया

गुरु पूर्णिमा पर माधव विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. भावेश कुमावत का संदेश

गुरु बिन ज्ञान अधूरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। गुरु पूर्णिमा का पर्व भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति आदर, आभार और समर्पण भाव प्रकट करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस विशेष दिन पर माधव विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत ने विश्वविद्यालय परिवार एवं समस्त विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।डॉ. कुमावत ने अपने संदेश में कहा कि "गुरु वह दीपस्तंभ हैं, जो अज्ञानता के अंधकार में ज्ञान की ज्योति जलाकर जीवन का पथ आलोकित करते हैं। गुरु न केवल शैक्षणिक ज्ञान का संचार करते हैं, बल्कि वे हमें नैतिक मूल्यों, कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्वों का भी बोध कराते हैं।" उन्होंने इस अवसर पर आह्वान किया कि हम सभी विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों का सम्मान करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए, क्योंकि सच्चे ज्ञान की प्राप्ति तभी संभव है जब शिष्य में समर्पण हो और गुरु में करूणा।

डॉ. कुमावत ने कहा कि माधव विश्वविद्यालय सदैव 'गुरु-शिष्य परंपरा' की गरिमा को बनाए रखते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध व संस्कारों को समर्पित रहा है। गुरु पूर्णिमा न केवल शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करने का दिन है, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी है, जब हम अपने जीवन में गुरु के योगदान को स्मरण कर उनके बताए आदर्शों को व्यवहार में लाने का संकल्प लें।

भावरी में जनजागरूकता शिविर सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय, आबूरोड द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत सिरोही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पिंडवाड़ा तहसील के भावरी गांव में तीन दिवसीय जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को आवश्यक सहायता, सेवाएं और जानकारी उपलब्ध कराना रहा।

इस शिविर में किसान सहायता शिविर, कानूनी परामर्श शिविर, रोजगार मार्गदर्शन केंद्र एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण, विशेषकर किसान, महिलाएं और युवा वर्ग इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया।

महिला सशक्तिकरण को दी गई प्राथमिकता

माधव विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. संजीव सेठ ने बताया कि शिविर में महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया गया। महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया एवं उन्हें सिलाई, कढ़ाई, बुनाई और पेंटिंग जैसे कौशल विकास कार्यक्र मों की जानकारी दी गई।

कृषि एवं रोजगार सेवाएं उपलब्ध

शिविर में किसानों को कृषि से संबंधित तकनीकी मार्गदर्शन, योजनाओं की जानकारी एवं समस्याओं के समाधान के उपाय बताए गए। वहीं, युवाओं को प्लेसमेंट, स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण से जुड़ी जानकारी दी गई ताकि वे अपने भविष्य के लिए सक्षम बन सकें।

विशिष्ट जनों की उपस्थिति सराहनीय

शिविर में ग्राम पंचायत भावरी की सरपंच मगनी देवी, ग्राम विकास अधिकारी जितेंद्र सिंह, एनएसएस निदेशक डॉ. देवेंद्र मुझाल्दा, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट निदेशक डॉ. अतुल मिश्रा, कृषि विभाग के डॉ. गीतम सिंह, शिक्षा विभाग के डॉ. सत्यप्रकाश तिवारी, योग विभाग के डॉ. सुमित कुमार, विधि विभाग के डॉ. सुरेंद्र मीणा, होम्योपैथिक विभाग के डॉ. अमित कुमार तथा मीडिया प्रभारी अशोक प्रजापत सहित विश्वविद्यालय के अनेक संकाय सदस्य उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने विश्वविद्यालय की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के जनसेवी शिविरों का आयोजन लगातार किया जाना चाहिए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महिला विकास से संबंधित योजनाएं आमजन तक सरलता से पहुंच सकें।

जन्म-मृत्यु पंजीयन पर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला परिषद सभागार में सिविल रजिस्ट्रेशन प्रणाली के अंतर्गत जन्म-मृत्यु पंजीयन पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यालय संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी के तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला मे जिले की समस्त पंचायत समिति के ब्लॉक नोडल अधिकारी (जन्म-मृत्यु), ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय एवं नगर पालिका एवं नगर परिषद मे जीवनांक से संबंधित कार्य कर रहे कार्मिक एवं अधिकारियों ने भाग लिया। सरकार ने जन्म- मृत्यु पंजीयन से संबंधित सेवाओं को राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के तहत दी जाने वाली सेवा में शामिल किया है। ऐसे में इसकी मुख्य सचिव द्वारा नियमित समीक्षा की जाती है। इस दौरान जिला रजिस्ट्रार एवं संयुक्त निदेशक, बाबू लाल मीना एवं सहायक निदेशक डॉ. सुदीप कुमावत, जयपुर कलेक्ट्रेट ने सभी रजिस्ट्रारों को सरकार द्वारा निर्धारित समय अवधि मे आमजन को प्रमाण पत्र जारी करने हेतु पाबंद किए जाने के निर्देश प्रदान किए जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

जन्म मृत्यु अधिनियम 1969 में बदलाव कर 1 अक्टूबर 2023 से नया नियम बनाया है। जिसके तहत सात दिवस में रजिस्ट्रार व उप रजिस्ट्रार द्वारा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं करने पर 250 रुपए का जुर्माना व संस्था द्वारा जन्म व मृत्यु की जानकारी नहीं देने पर एक हजार का रुपए का जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

कैम्पस प्लेसमेंट शिविर एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की वार्षिक कार्य-योजना वर्ष 2025-26 के क्रि यान्वयन के तहत सभी वर्गों के आशार्थियों के लाभार्थ उप् क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा युवा कौशल दिवस के अवसर पर कैम्पस प्लेसमेंट शिविर एवं करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय की उप निदेशक, नवरेखा ने बताया कि कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में 278 बेरोजगार आशार्थियों ने भाग लिया एवं उक्त कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में 06 निजी संस्थानों ने भाग लेकर अपनी रिक्तियों के अनुसार 126 आशार्थियों का प्राथमिक चयन किया तथा 57 आशार्थियों का प्रशिक्षण हेतु चयन कर कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में कुल 158 आशार्थियों को लाभान्वित किया गया।

कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के निम्न संस्थानों ने भाग लिया। रोजगार विभाग जयपुर के संयुक्त निदेशक श्री जगदीश निर्वाण ने शिविर का उद्घाटन किया व मौके पर ही 7 आशार्थियों को विभिन्न संस्थानों में चयनित होने पर नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर सीजीसी के उप क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अतुल कुमार सोनू, परिवर्तन स्किल एकेडमी सलाहकार श्रीमती प्रतिभा सोढानी, सुश्री लक्ष्मी जांगिड़ आदि ने उपस्थित युवा आशार्थियों को रोजगार मार्गदर्शन एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की।